

Vol. 270
No. 30



Friday,
17 April, 2026
27 Chaitra, 1948 (Saka)

PARLIAMENTARY DEBATES

RAJYA SABHA

OFFICIAL REPORT (FLOOR VERSION)

(PART-II)

CONTENTS

Message from Lok Sabha —

The Joint Committee on the Constitution (One Hundred and Twenty-Ninth Amendment) Bill, 2024 and the Union Territories Laws (Amendment) Bill, 2024 — *Reported* (page 1)

Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Coal, Mines and Steel — *Laid on the Table* (page 1)

Reports of the Public Accounts Committee — *Laid on the Table* (page 2)

Election of Deputy Chairman (pages 2 — 4)

Felicitations to the Deputy Chairman (pages 4 — 34)

Observations by the Chair (pages 34 — 35)

Website: <http://rajyasabha.nic.in>
<https://sansad.in/rs>
E-mail: rsedit-e@rss.sansad.in

RAJYA SABHA

Friday, the 17th April, 2026/27 Chaitra, 1948 (Saka)

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

MESSAGE FROM LOK SABHA

THE JOINT COMMITTEE ON THE CONSTITUTION (ONE HUNDRED AND TWENTY-NINTH AMENDMENT) BILL, 2024 AND THE UNION TERRITORIES LAWS (AMENDMENT) BILL, 2024

MR. CHAIRMAN: Message from Lok Sabha; Secretary-General.

SECRETARY-GENERAL: Sir, with your kind permission, I rise to report that the Lok Sabha, at its sitting held on the 16th of April, 2026, has adopted the following motion:-

“That this House do recommend to Rajya Sabha that Rajya Sabha do appoint two Members of Rajya Sabha to the Joint Committee on the Constitution (One Hundred and Twenty-Ninth Amendment) Bill, 2024 and the Union Territories Laws (Amendment) Bill, 2024 in the vacancies caused by the retirement of Shri Saket Gokhale and Shri Bhubaneswar Kalita from Rajya Sabha and communicate to this House names of the Members so appointed by Rajya Sabha to the Joint Committee.

REPORT OF THE DEPARTMENT-RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON COAL, MINES AND STEEL

SHRI SAJJAD AHMAD KICHLOO (Jammu and Kashmir): Sir, I lay on the Table, a copy (in English and Hindi) of the Twenty-third Report (Eighteenth Lok Sabha) of the Department-Related Parliamentary Standing Committee on Coal, Mines and Steel (2025-26) on ‘National Mineral Exploration and Development Trust (NMEDT) – Performance and Review’ pertaining to the Ministry of Mines.

REPORTS OF THE PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

SHRI ASHOKRAO SHANKARRAO CHAVAN (Maharashtra): Sir, I lay on the Table, a copy each (in English and Hindi) of the following Reports of the Public Accounts Committee (2025-26):-

- (i) Forty-fifth Report (Eighteenth Lok Sabha) of the Committee on the 'Parking of Funds outside the Government Account' pertaining to the Ministry of Education (Department of School Education and Literacy);
- (ii) Forty-Sixth Report (Eighteenth Lok Sabha) of the Committee on 'Construction of 5th and 6th line between Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus (CSMT)-Kurla Station' pertaining to the Ministry of Railways (Railway Board); and
- (iii) Forty-seventh Report (Eighteenth Lok Sabha) on Action Taken by the Government on the Observations/ Recommendations of the Committee contained in its One Hundred and Third Report (Seventeenth Lok Sabha) on 'Revision of Financial Limits for determining the cases relating to New Service/New Instrument of Service' pertaining to the Ministry of Finance (Department of Expenditure).

ELECTION OF DEPUTY CHAIRMAN

MR. CHAIRMAN: Now, we take up the Motion for election of the Deputy Chairman. There are five Motions for the election of the Deputy Chairman. As per the procedure, the Members who have given notice may now move them one by one and, in each case, the Motion is also to be seconded by the seconder thereof. Shri Jagat Prakash Nadda to move the Motion.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री; तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री जगत प्रकाश नड्डा): सभापति जी, मैं प्रस्ताव करता हूँ:

"कि श्री हरिवंश को राज्य सभा का उपसभापति चुना जाए।"

MR. CHAIRMAN: Shrimati S. Phangnon Konyak to second the motion.

SHRIMATI S. PHANGNON KONYAK (Nagaland): Sir, I second the motion.

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Nitin Nabin to move the motion.

श्री नितिन नवीन (बिहार): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ:

"कि श्री हरिवंश को राज्य सभा का उपसभापति चुना जाए।"

MR. CHAIRMAN: Shri Brij Lal to second the motion.

SHRI BRIJ LAL (Uttar Pradesh): Sir, I second the motion.

MR. CHAIRMAN: Now, Shrimati Nirmala Sitharaman to move the motion.

THE MINISTER OF FINANCE; AND THE MINISTER OF CORPORATE AFFAIR
(SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN): Sir, I move the following motion:

"That Shri Harivansh be chosen as the Deputy Chairman of the Rajya Sabha".

MR. CHAIRMAN: Shri Surendra Singh Nagar to second the motion.

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

MR. CHAIRMAN: Shri Sanjay Kumar Jha to move the motion.

SHRI SANJAY KUMAR JHA (Bihar): Sir, I move the following motion:

"That Shri Harivansh be chosen as the Deputy Chairman of the Rajya Sabha".

MR. CHAIRMAN: Shri Upendra Kushwaha to second the motion.

श्री उपेन्द्र कुशवाहा (बिहार): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ।

MR. CHAIRMAN: Shri Jayant Chaudhary to move the motion.

SHRI JAYANT CHAUDHARY (Uttar Pradesh): Sir, I move the following motion:

"That Shri Harivansh be chosen as the Deputy Chairman of the Rajya Sabha".

MR. CHAIRMAN: Shri Milind Murli Deora to second the motion.

SHRI MILIND MURLI DEORA (Maharashtra): Sir, I second the motion.

SHRI JAIRAM RAMESH (Karnataka): Sir,...

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, before I put the motions moved to vote, I may like to inform the House that the motions moved will now be taken up for adoption in the same sequence in which they have been moved and, at any stage, if a motion is carried, the remaining motions will become infructuous and will not be put to the vote of the House.

I shall now put the Motion moved by Shriman Jagat Prakash Nadda and duly seconded by Shrimati S. Phangnon Konyak to vote:

The question is:

"That Shri Harivansh be chosen as the Deputy Chairman of the Rajya Sabha."

The motion was adopted.

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, we are boycotting this election. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Let me complete the process. ...*(Interruptions)*...Now, I declare that Shriman Harivansh has been chosen as the Deputy Chairman of Rajya Sabha. Shriman Harivansh may now be conducted to his seat by the hon. Leader of the House and the hon. Leader of the Opposition.

MR. CHAIRMAN: Now, felicitations to the Deputy Chairman. Hon. Leader of the Opposition.

FELICITATIONS TO THE DEPUTY CHAIRMAN

विपक्ष के नेता (श्री मल्लिकार्जुन खरगे): सर, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि इस सदन में हमारे डिप्टी चेयरमैन का जो चुनाव हुआ, उनका अभिनन्दन करने के लिए मुझे मौका मिला है। उपसभापति जी, मैं आपको इस प्रतिष्ठित पद पर तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई और शुभकामना देना चाहता हूँ। मुझे फिर से राज्य सभा कक्ष में आपके साथ बैठने का एक और अवसर मिला है। आप मेरे अच्छे पड़ोसी हैं। मैं इस संदर्भ में यह कहना चाहता हूँ कि उपसभापति का पद वास्तव में आपके चुनाव द्वारा शीघ्र, बल्कि पहले ही उपलब्ध अवसर पर भर दिया गया है। यह फॉर्च्युनेट है कि इतना क्विक इलेक्शन कोई भी नहीं हुआ। सर, ये भाग्यशाली हैं और इनके बाजू में बैठने के कारण, कम से कम मुझे भी कुछ न कुछ मदद इनके वहां जाकर बैठने के बाद जरूर मिलेगी। इस प्रतिष्ठित पद पर आपके चुनाव ने एक और मिसाल कायम की है। आप इस पद को ग्रहण करने वाले पहले मनोनीत सदस्य हैं। यह पहला precedent है और पहली बार मनोनीत सदस्य के रूप

में आपको यह पद मिला है। इससे यह साबित होता है कि आप इस पद के लायक हैं, इसलिए आपको यह पद दिया गया है।* अब जबकि आप फिर से उपसभापति के पद पर आसीन हो गए हैं, इसलिए हम आपसे यह अपेक्षा करते हैं कि आप विपक्ष के सदस्यों का विशेष ध्यान रखेंगे, उनको पर्याप्त समय देंगे। हमें आपसे किसी विशेष तवज्जो की अपेक्षा नहीं है, पर, हम यह उम्मीद करते हैं कि आप विपक्ष को उचित महत्व जरूर देंगे, क्योंकि यह आपका तीसरा टर्म है, इसलिए आपको ज्यादा अनुभव है। नैचुरली डेमोक्रेसी को जिंदा रखने के लिए अपोजिशन को जितना महत्व देना चाहिए, आप देंगे - मैं ऐसा निवेदन करता हूँ।

सर, मैं अपनी ओर से, विपक्ष की ओर से उनको उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ देता हूँ और मैं तमाम अपोजिशन नेताओं की ओर से, मेंबर्स की ओर से, तमाम हाउस की तरफ से और आपकी तरफ से भी उनको congratulate करता हूँ। Thank you very much.

MR. CHAIRMAN: Now, hon. Prime Minister.

प्रधान मंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी): आदरणीय सभापति जी, सदन की ओर से, मेरी तरफ से, मैं श्रीमान हरिवंश जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और शुभकामनाएँ भी देता हूँ। राज्य सभा के उपसभापति के रूप में लगातार तीसरी बार निर्वाचित होना, यह अपने आपमें इस सदन का आपके प्रति जो गहरा विश्वास है और बीते हुए कालखंड में आपके अनुभव का सदन को जो लाभ मिला है, सबको साथ लेकर चलने का आपका जो प्रयास रहा है, उस पर सदन ने आज एक प्रकार से मुहर लगा दी है। यह अपने आप में एक अनुभव का सम्मान है, एक सहज कार्यशैली का सम्मान है और एक सहज कार्यशैली की स्वीकृति भी है। हम सबने हरिवंश जी के नेतृत्व में सदन की शक्ति को और अधिक प्रभावी होते हुए भी देखा है। मैं कह सकता हूँ कि केवल सदन की कार्यवाही का संचालन ही नहीं, उनके अपने जीवन के भूतकाल के जो अनुभव हैं, उनको भी वे बहुत ही सटीक तरीके से सदन को समृद्ध करने के उपयोग में लाते हैं। उनका यह अनुभव पूरी कार्यवाही के संचालन और सदन के माहौल को और अधिक परिपक्व बनाता है। मुझे विश्वास है कि उपसभापति जी का नया कार्यकाल उसी भावना, संतुलन और समर्पण के साथ आगे बढ़ेगा और हम सबके प्रयासों से सदन की गरिमा को नई ऊँचाई प्राप्त होगी। आदरणीय सभापति जी, हरिवंश जी का जन्म जेपी जय प्रकाश नारायण जी के गांव में हुआ। सहज रूप से एक ग्रामीण पृष्ठभूमि के कारण वे अपने गांव के विकास के लिए विद्यार्थी काल से ही कुछ न कुछ करते रहे। उनकी शिक्षा-दीक्षा काशी में हुई। इन सारे विषयों पर मुझे भूतकाल में बोलने का अवसर मिला है, तो मैं काफी कुछ कह चुका हूँ, इसलिए आज मैं उनको दोहराता नहीं हूँ। मैं एक बात का उल्लेख जरूर करूँगा कि आज 17 अप्रैल है और 17 अप्रैल, 1927 को हमारे पूर्व प्रधान मंत्री, चंद्रशेखर जी की जन्म जयंती के सौ वर्षा पूरे होंगे। विशेषता यह है कि आज आप जब तीसरी बार इस दायित्व को संभालने जा रहे हैं, वह भी चंद्रशेखर जी की जन्म जयंती पर। चंद्रशेखर जी के साथ आपका जुड़ाव, उनके प्रति आपका

* Not recorded.

लगाव रहा। एक प्रकार से आप उनके पूरे कार्यकाल में सह-यात्री रहे, तो यह अपने आप में एक बहुत ही बड़ा सुयोग है। आपने चंद्रशेखर जी के जीवन पर किताबें भी लिखी हैं और चंद्रशेखर जी के एक बृहद् जीवन को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक बहुत बड़ा काम भी किया है, इसलिए आपके लिए यह एक बहुत बड़ा विशेष अवसर बन जाता है कि चंद्रशेखर जी की जन्म जयंती पर आपके तीसरे कार्यकाल का शुभारंभ होने जा रहा है।

हरिवंश जी का सार्वजनिक जीवन केवल संसदीय कामों तक सीमित नहीं रहा है। उनके पत्रकारिता के उच्च मानदंड आज भी आदर्श के रूप में रेखांकित किए जाते हैं। उनका पत्रकारिता का लंबा जीवन रहा, लेकिन पत्रकारिता में भी उन्होंने उच्च मानदंड को हमेशा आधार माना। हम सब जानते हैं कि उनकी लेखनी में धार है, लेकिन उनकी वाणी में और व्यवहार में सौम्यता और शिष्टता भरी रहती है। यह अपने आप में विशेष है। मैं जब गुजरात में था, तब भी उनके लेखों को पढ़ने की मेरी आदत रही थी और मैं देखता था कि वे अपना पक्ष बड़ी दृढ़ता के साथ रखते थे और मैं अनुभव करता था कि उसमें काफी अध्ययन के बाद उसका निचोड़ प्रकट होता था। पत्रकारिता में भी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का उनका निरंतर प्रयास रहा और एक सफल प्रयास भी रहा। हम देखते हैं सदन में भी चाहे पॉलिसी हो या प्रोसेस हो, उन बातों की कहीं-न-कहीं छाया हमेशा नजर आती है और यह हम सबके लिए सुखद अनुभव है।

वे समाज की वास्तविकताओं के साथ गहरे जुड़ाव के साथ काम करते रहे हैं। मैं तो कहूंगा, चाहे लोक सभा हो या राज्य सभा हो, जो नए सांसद आते हैं, वे हरिवंश जी से बहुत कुछ सीख सकते हैं, बहुत-सी बातें करके उनसे जान सकते हैं, क्योंकि जब वे पत्रकारिता में थे, तो उनका एक कॉलम चलता था — "हमारा सांसद कैसा हो, हमारा पार्लियामेंट मेम्बर कैसा हो।" तब उनको शायद पता नहीं होगा कि कभी उनको यहां बैठना पड़ेगा, लेकिन वे लिखते थे और उन बातों में बहुत ही व्यापकता रहती थी। सदन की गरिमा और उसमें बैठने वाले सदस्य का दायित्व, उसके आचार-विचार को लेकर भी उनका अध्ययन बहुत गहरा रहता था। उन बातों का उपयोग आज हमारे सदन के साथी, उनके साथ बैठकर बहुत कुछ जान सकते हैं, सीख सकते हैं। समय की पाबंदी, जीवन में एक डिसिप्लिन और अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीरता उनकी विशेषता रही है और शायद इसी के कारण आपका सर्वस्वीकृत व्यक्तित्व विकसित हुआ है। हमने देखा होगा कि जब से वे राज्य सभा के सदस्य बने हैं, मैं कह सकता हूँ कि वे पूर्ण समय सदन में होते हैं। सभापति जी की अनुपस्थिति में सदन को संभालने का काम तो करते ही हैं, लेकिन बाकी समय भी यहां कमेटी का कोई भी व्यक्ति बैठा हो, तो भी वे सदन में हमेशा अपनी मौजूदगी रखते हैं और हर बात को सुनते हैं। उस समय सदन का जो संचालन करते हैं, उनके कार्य को भी देखते हैं। इसके पीछे उनका जो दायित्व है, उसके प्रति उनकी जो प्रतिबद्धता है, उसके कारण यह संभव होता है और यह हम सबके लिए सीखने जैसा है। मैंने देखा है कि वे पूरा समय इन चीजों के लिए खपा देते हैं।

आदरणीय सभापति जी, उपसभापति के तौर पर उन्होंने सदन को कैसे चलाया, सदन में सदस्य के तौर पर क्या योगदान दिया — इस बारे में हम स्वाभाविक रूप से एक सकारात्मक चर्चा करते रहते हैं, लेकिन सदन के बाहर जनता के बीच वे कैसे अपने लोकतांत्रिक और सामाजिक

दायित्व को निभाते हैं, यह भी हम सार्वजनिक जीवन में जो लोग हैं, उनके लिए सचमुच में ध्यान आकर्षित करने वाले विषय हैं और हमें उसको देखना चाहिए

मैं अपने अनुभव से कह सकता हूँ कि उनका काम सराहनीय तो है ही, अनुकरणीय भी है। हमारा देश युवा देश है और मैंने देखा है कि हरिवंश जी ने अपने समय को सबसे ज्यादा युवाओं के बीच में बिताना पसंद किया है। युवाओं में लगातार गंभीर विषयों पर जागरूकता बने, एक प्रकार से लोकशिक्षा का काम निरंतर चलता रहे, वे ये काम लगातार करते रहते हैं। देश भर में उनका भ्रमण रहता है। उनको मीडिया की नज़रों में बहुत ज़्यादा रहने का शौक नहीं है, लेकिन उनकी भ्रमण और कार्यक्रमों की श्रृंखला लगातार चलती रहती है। 2018 में जब उन्होंने राज्य सभा के उपसभापति की भूमिका निभानी शुरू की, उसके बाद जो मेरी जानकारी है, उन्होंने कॉलेजेज़ और यूनिवर्सिटीज़ में साढ़े तीन सौ कार्यक्रम किए। यह बहुत बड़ा काम है। देश की यूनिवर्सिटीज़ और कॉलेजेज़ में साढ़े तीन सौ से अधिक कार्यक्रमों में जाना, आना, युवाओं के साथ बैठना, बातें करना, उसके लिए विषयों की तैयारी करना, यह अपने आप में बहुत बड़ा काम है। एक प्रकार से आपने एक व्रतस्थ के रूप में इस काम को किया और युवाओं से जुड़ने के लक्ष्य को आपने जरा भी ओझल नहीं होने दिया है। विकसित भारत का सपना युवाओं के लिए भी क्यों होना चाहिए, इस मूल विषय को अलग-अलग तरीके से, जिस प्रकार से विद्यार्थियों का मूड हो, वे बताते रहते हैं। विद्यार्थियों में, युवा पीढ़ी में एक आत्मविश्वास कैसे पैदा हो, निराशा से वे हमेशा बाहर रहें, इन सारे विषयों की वे चर्चा करते हैं। वे कुछ ऐतिहासिक रेफरेंसेज़ के साथ बात करते हैं कि ऐसे क्या कारण हैं कि हमें जितनी तेजी से आगे जाना चाहिए था, नहीं जा पाए। अब अवसर आया है और देश कितनी बड़ी छलांग लगा सकता है, ऐसा आत्मविश्वास भरने का काम उनके द्वारा होता है। आजकल देश में literature festivals का एक बड़ा सिलसिला चला है और अब तो वह tier-2 cities, tier-3 cities तक भी पहुंच चुका है। Literature festivals में भी हरिवंश जी का अक्सर जाना होता है। समाज के उस तबके को भी वे अपने विचारों से प्रभावित करते रहते हैं, प्रेरित करते रहते हैं।

आदरणीय सभापति जी, मैंने उनके जीवन का एक प्रसंग सुना है। शायद हो सकता है साल वगैरह की मेरी जानकारी सटीक न भी हो। मैंने सुना है कि 1994 में हरिवंश जी ने पहली बार विदेश यात्रा की। वे अमेरिका गए। जब वे अमेरिका गए, तो अपने तय कार्यक्रमों के अलावा जब उनसे पूछा गया कि आप कहीं और जाना चाहते हैं, कुछ करना चाहते हैं, तो उन्होंने आग्रह से कहा कि यह विकसित देश है, तो मैं इसकी यूनिवर्सिटीज़ को देखना और समझना चाहता हूँ। वहां ऐसी कौन-सी शिक्षा और कल्चर है, जिसके कारण यह देश इतना आगे बढ़ रहा है? उन्होंने अपने निर्धारित कार्यक्रमों के सिवाय काफी समय पहली अमेरिका की यात्रा में सिर्फ और सिर्फ यूनिवर्सिटीज़ में बिताया, उसका अध्ययन करने का काम किया, यानी उनके मन में ललक थी कि अगर एक विकसित देश की यूनिवर्सिटी से जो निकलता है, तो हिंदुस्तान की यूनिवर्सिटीज़ भी ऐसी हों, ताकि विकसित भारत का सपना वहीं से रेखांकित किया जा सके।

सभापति जी, एमपीज़ में MPLADS Funds के संबंध में काफी चर्चा रहती है। लेकिन MPLADS फंड का उपयोग कैसे हो — उस पर उनके विचार रहते हैं। MPLADS फंड की जो बातें होती हैं, उस पर हरिवंश जी के विचारों को मैंने स्वयं भी सुना है। मैं इससे प्रभावित हूँ। उन्होंने खुद की उस जिम्मेवारी को कैसे निभाया है, मैं समझता हूँ कि वह भी हम लोगों ने देखा है। जो MPLADS फंड था, उनके जो अपने विचार हैं, उन्होंने उन विचारों को ही नीचे धरातल पर उतारने के लिए उपयोग किया। शिक्षा क्षेत्र और युवा पीढ़ी उसके सारे केंद्र में रहा। उन्होंने MPLADS फंड को इस्तेमाल करने के लिए एक मिसाल पेश की है। उन्होंने विश्वविद्यालय, शिक्षण संस्थानों में ऐसे अध्ययन केंद्र स्थापित किए, जिनका प्रभाव लंबे अरसे तक रहने वाला है। उन्होंने उसमें भी प्रोजेक्ट ओरिएंटेड समस्या के समाधान को केंद्र में रखा - जैसे लुप्त होती जा रही भारतीय भाषाओं के संरक्षण के लिए उन्होंने आईआईटी पटना में एक अध्ययन केंद्र के लिए एमपी लैड फंड का उपयोग किया। वे उस काम को कर रहे हैं, वह काम वहां लगातार हो रहा है। उन्होंने एक और काम हाथ में लिया कि बिहार में जो कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ भयावह भूकंप की घटनाएं घटती रहती हैं, यदि नेपाल में भी छोटा-सा भूकंप आ जाए, तो भी इस क्षेत्र को प्रभावित करता है, इस काम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने MPLADS फंड से Centre for Earthquake Engineering के रूप में एक study centre research के लिए खुलवाया है, यानी वह केंद्र स्टडी के काम करना, रिसर्च करना आदि पर लगातार काम कर रहा है। हम जानते हैं, जैसा मैंने कहा कि जयप्रकाश जी का गांव सिताब दियारा है और हरिवंश जी वहीं से हैं। गंगा और घाघरा दो नदियों के बीच में एक गाँव है। वहाँ हमेशा ही जल के कारण कटाव की जो समस्या रहती है, उससे वह गाँव परेशान रहता है। नदी धारा भी बदलती रहती है, इसलिए विनाश भी बहुत होता रहता है। उन्होंने उसको भी ध्यान में रखते हुए MPLADS फंड से इसके वैज्ञानिक अध्ययन के लिए पटना की आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी में एक नदी अध्ययन केंद्र खुलवाया है। वे पटना के ही चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में Business Incubation and Innovation Centre बनवा रहे हैं। एआई के इस दौर में मगध विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर बनाया है, यानी MPLADS फंड से एक निर्धारित दिशा में कैसे काम किया जा सकता है - आपने इसका एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

आदरणीय सभापति जी, हम सभी ने अनुभव किया है कि लोग जब अपने गाँव से स्थानांतरण करते हैं, दूसरे शहर में जाते हैं, तो एक प्रकार से जीवन में गाँव से कट जाते हैं, लेकिन हरिवंश जी का जीवन आज भी गाँव से जुड़ा रहता है। उनका अपने गाँव से जो जीवन जुड़ा रहता है, उसके लिए वे लगातार वहाँ के सुख-दुख के साथी बनकर अपना जो भी कंट्रीब्यूशन कर सकते हैं, करते रहते हैं।

आदरणीय सभापति जी, हम जिस संसद की नई इमारत में बैठे हैं, जब उसका निर्माण कार्य चल रहा था, तब मुझे उनके साथ, निकट से काम करने का अवसर मिला और मैं अनुभव कर रहा था कि जो विचार मेरे मन में आते थे, मैं हरिवंश जी से कहता था — हम ऐसा करें तो कैसा होगा? वे दो दिन में उसको परफेक्ट करके लेकर आते थे। कहीं नामकरण करना है, इस सदन की पहचान कैसे बने — इस पर उनका काफी कुछ कंट्रीब्यूशन रहा। सदन के निर्माण में, उसकी

आर्ट गैलरी में, विभिन्न द्वारों के नाम रखने हों, यानी हर प्रकार से, मेरे एक साथी के रूप में, हम दोनों को काम करने का अवसर मिला। मेरे लिए काम का वह अनुभव बड़ा आनंददायक रहा।

आदरणीय सभापति जी, हरिवंश जी की सदन को चलाने की कुशलता को तो हमने भली-भांति देखा है, लेकिन साथ-साथ उन्होंने राज्यों की विधान सभाएं, विधान परिषदें और वहाँ जो प्रिसाइडिंग ऑफिसर्स हैं, उनकी भी कैसे मदद होना, किस प्रकार से उनकी आवश्यक ट्रेनिंग के लिए काम करना, उन्होंने उनके लिए लगातार समय दिया है। कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन में भी उन्होंने भारत की डेमोक्रेटिक व्यवस्था की छाप छोड़ने में बहुत बड़ी सक्रिय भूमिका निभाई है। मुझे पूरा विश्वास है कि 21वीं सदी के इस दूसरे क्वार्टर में इस सदन को बहुत कुछ कॉन्ट्रिब्यूट करना है। देश को प्रगति के पथ पर ले जाने में, विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में, मुझे विश्वास है कि सदन के द्वारा बहुत कुछ होगा। उसके कारण पीठाधीश और हम सबका दायित्व बहुत बड़ा होता है। मैं बड़े विश्वास से कह सकता हूँ कि सभी साथी - आप जो चाहते होंगे, उसको पूरा करने के लिए सहयोग करते रहेंगे। आपके काम को कठिनाइयों में न परिवर्तित करें, ताकि आप ज्यादा आउटकम दे सकें। मुझे विश्वास है कि सब लोग इसको करेंगे। मैंने पहले भी कहा था कि सब कुछ हरि कृपा पर है। हरि तो यहाँ के भी हैं, हरि वहाँ के भी हैं और हरि यहीं बैठेंगे। यह हरि कृपा बनी रहे, इसी एक अपेक्षा के साथ, मेरी आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, now I call upon Leaders of Parties to offer felicitations to the hon. Deputy Chairman. I request that all speeches be kept brief and completed within three minutes each, please. Shri Derek O' Brien, not present. Shri Sanjay Singh, not present. Shri Tiruchi Siva.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, on behalf of the DMK Party, I wholeheartedly congratulate Shri Harivansh who has been elected for the third consecutive term as the Deputy Chairman. As the Leader of Opposition rightly pointed out, he is the first ever Nominated Member to occupy the position of the Deputy Chairman of the second Chamber of the Parliament. I wish that if he completes one more term, he would touch the record of Dr. Najma Heptulla because she was the only one who has occupied the Deputy Chairman position for four terms. He has reached the third and I wish that he reaches the fourth term also.

Sir, we all know very well that basically he is a journalist, a well-deserving person. His knowledge is very wide. He is a voracious reader and a very prudent person. He has impressed us earlier from the Chair and off the Chair. Whenever we have met him in the Chamber, we have exchanged pleasantries. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Neerajji, please.

SHRI TIRUCHI SIVA: This is a felicitating occasion. Though he has been elected unopposed for known reasons, we are all very happy to have him again here. When he started his career as Deputy Chairman, I was here as a Member. Now, he has started his next journey, I will also be along with him all through this journey. One thing I have been telling that in the erstwhile Parliament, in the Chair, there would be a symbolic inscription of balance, that is, the Chair will treat both sides equally. In the past, we have experienced that. In future also, we believe that the Deputy Chairman, who has been elected now, again, for the third consecutive time, will treat both sides, accommodate both the sides, as he has listened to the speeches of the Members, and intervene whenever necessary. He has also given expert comments after the speeches. So, I wish him a very successful term to come. I also wish, as I said, one more term to touch the earlier record of Dr. Najma Heptulla. Sir, I wish him wholeheartedly.

Personally, you know me very well and I know you. You have experience that being in the Chair is not an easy job. You have to listen to the Members. You have to watch everyone and you also have to keep the House under control, which you have done earlier very successfully. Hopefully, the same will be done in a much more refined way and much more than to our expectations. Thank you very much, Sir.

MR. CHAIRMAN: Shriman Subhas Chandra Bose Pilli.

SHRI SUBHAS CHANDRA BOSE PILLI (Andhra Pradesh): Sir, thank you very much for giving me the opportunity to wish Shri Harivansh for being re-elected as Deputy Chairman of the Rajya Sabha. On behalf of the YSR Congress Party and on behalf of our leader of the party, Shri Y.S. Jagan Mohan Reddy Garu, I congratulate Shri Harivansh.

Sir, the role of the Deputy Chairman is not easy. It requires patience, neutrality and firm understanding of rules and procedures of the House. Shri Harivanshji has constantly shown these qualities. Even when the House is deeply divided on issues, he has maintained calm and ensured that proceedings continue with order and respect. We have seen that he gives Members of all parties a fair opportunity to speak and raise the concerns. This is important because the strength of the Rajya Sabha lies in hearing diverse views and representing the interests of different States and sections of society. His manner of conducting the House helps maintain the dignity of Parliament and strengthen public faith in our democratic institutions. I also appreciate his firm but polite approach in maintaining discipline and parliamentary decorum. It

ensures that debate remains meaningful and that House functions with seriousness and purpose.

On behalf of my party, I extend my best wishes to Shri Harivansh for a successful tenure ahead. I am confident, under his guidance, the Rajya Sabha will continue to function smoothly with dignity and the true spirit of Parliamentary democracy. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Shriman Manas Ranjan Mangaraj.

SHRI MANAS RANJAN MANGARAJ (Odisha): Mr. Chairman Sir, on this occasion, I would like to extend my heartfelt congratulations to Shri Harivansh Narayan Singh on being elected as the Deputy Chairman of the House. On my behalf, on behalf of all the Members of Parliament of my party and, above all, on behalf of my leader and BJD President, Shri Naveen Patnaik, I convey my best wishes to him.

Sir, during his previous tenure, he has demonstrated commendable impartiality while conducting the proceedings of the House. He has rich experience in managing the House and his simple and dignified conduct has greatly impressed us. I am confident that he will continue to uphold the same spirit of naturality, neutrality and fairness in the future. On this occasion, I would also like to state that he will receive full support from BJD. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Dr. M. Thambidurai.

DR. M. THAMBIDURAI (Tamil Nadu): Mr. Chairman, Sir, I convey my best wishes and congratulations on behalf of the AIADMK party and my leader, Shri Edappadi K. Palaniswami, for successful and unanimous election of Shri Harivansh for the third term. I also worked as the Deputy Speaker for two terms in the Lok Sabha. During my second term, Shri Harivansh was Deputy Chairman in the Rajya Sabha. We both visited many countries to participate in international forums and gained experience. I had also seen his performance in international conferences how he expressed about our Indian culture and our parliamentary procedures.

Sir, I have the experience of running the Lok Sabha for nearly 15 years. So, I have the experience there also. Here also, you have nominated me to the Panel of Vice-Chairman. I am grateful to you for nominating me for conducting the proceedings here also along with Harivanshji.

Hon. Members said that we have rules and regulations for conducting the House which are essential. At the same time, in democracy, success of the Chair means how to understand the feelings of the elected Members who have come over here to express their views. Among many speakers who are successful speakers in the history of Parliament, Shri Sanjiva Reddy is one of them. When they asked him what is the secret of presiding over proceedings so successfully as one of the best Speakers in the country, he simply said, "I do not know the rules and procedures of the House." This is the reply he gave. There may be rules and procedures. At the same time, we have come over here to express our views. Then the Presiding Officer, like Harivanshji, who understands our feelings, gives us an opportunity to express our views. This is the forum where you can see this; the rules and regulations may be there. I once again congratulate him as he has come over here for the third time. I also want to say that in the Rajya Sabha, we had the Deputy-Chairman without break. That is another thing that NDA Government decided. Naddaji is here. He successfully made the arrangements and conducted the election, and I am happy for that. I once again congratulate Mr. Deputy Chairman. I also have the experience of working with you, you know that. At that time, I also participated. Sometimes my participating in the proceedings may not be liked, but at the end you also appreciated me. ...*(Interruptions)*... And because of Dr. Brittas only, he likes me. Therefore, I thank you for giving me an opportunity to felicitate him. On behalf of all the hon. Members, I wish him success here. As Shri Tiruchi Siva said, let him come for the fourth term also at this position. Sir, I again thank you and give my best wishes to Shri Harivansh for his successful term.

MR. CHAIRMAN: Shri Sanjay Kumar Jha.

श्री संजय कुमार झा (बिहार): माननीय सभापति महोदय, मैं अपनी पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) और हम लोगों के नेता, नीतीश कुमार जी की तरफ से श्री हरिवंश जी को तीसरी बार उपसभापति निर्वाचित होने पर शुभकामना और बधाई देता हूँ। हम लोगों के लिए तो यह और खुशी की बात है कि जब ये 2014 में राज्य सभा में आए, तो हम लोगों की पार्टी से ही राज्य सभा में आए। जहाँ इनका गाँव है, सिताब दियारा, वहाँ बाढ़ को लेकर समस्या रहती है। मैं तो बिहार में उस विभाग में मंत्री रहा। इनका अपने गाँव से इतना लगाव है कि अपने क्षेत्र के लिए, अपने काम के लिए, उस बेल्ट के लिए अक्सर मेरे पास इनका फोन आता रहता था। ये 'प्रभात खबर' में संपादक रहे। मुझे आज भी याद है -- आजकल महिला आरक्षण की बात हो रही है -- जब बिहार में पहली बार 2006 में नीतीश जी ने पंचायत में महिलाओं को 50 परसेंट आरक्षण दिया, उस समय इन्होंने अपने अखबार में एक पूरी सीरीज चलाई। इसी प्रकार, 'जीविका दीदी' को लेकर जब काम हुआ, तो इनका उसमें बहुत बड़ा योगदान रहा। बिहार में खास कर पिछले 20 साल में जो चीजें हुईं, उस

अखबार में, जब ये वहाँ संपादक थे, तो उन सब चीजों को हमेशा लिखते रहे और अखबार के द्वारा प्रोत्साहित करते रहे। बिहार वैसे ही ज्ञान की भूमि है। मैं हमेशा देखता रहा, अभी प्रधान मंत्री जी ने जो कहा है, हमेशा पटना यूनिवर्सिटी में कोई कार्यक्रम हो, आईआईटी-पटना में कभी कोई कार्यक्रम हो, बिहार की असेंबली में कोई कार्यक्रम हो, तो कितनी बार ये वहाँ आए। हम लोग सदनली अखबार में देखते थे कि हरिवंश जी पटना में आए हैं और कार्यक्रम करके गए हैं। इन सब चीजों में लगातार इनकी इन्वॉल्वमेंट रही। मैंने एक और चीज देखी। मैं एक दिन अखबार देख रहा था, तो मैंने देखा कि हरिवंश जी लखनऊ में किसी कार्यक्रम में हैं और संसद में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को कैसे यूज किया जा सकता है, वहाँ जाकर ये उस पर बोल रहे हैं।

इस चीज को भी कि Digital Sansad कैसी हो, उसमें क्या improvise किया सकता है, क्या काम किया जा सकता है, इन सब बातों को ये लगातार रखते रहे। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से इसलिए बहुत खुशी की बात है, क्योंकि नीतीश जी के साथ इनके व्यक्तिगत संबंध बहुत अच्छे रहे। राज्य सभा में आने से पहले भी, जब ये पत्रकारिता में थे, इनका सुझाव हमेशा उनको रहता था और उनका व्यक्तिगत लगाव भी इनके साथ हमेशा रहता था। मैं हरिवंश जी को इनके तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी पार्टी की तरफ से और बिहारवासियों की तरफ से भी बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

MR. CHAIRMAN: Prof. Ram Gopal Yadav; not present. Now, Shriman Ramdas Athawale.

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामदास अठावले): चेयरमैन सर, यह हमारे लिए बहुत बड़ी और अच्छी बात है कि हरिवंश बाबू को तीसरी बार उपसभापति के पद पर जाने का मौका मिला है। माननीय नरेन्द्र मोदी साहब ने इनको तीसरी बार राज्य सभा में लाकर उपसभापति बनाया है, मुझे भी तीसरी बार राज्य सभा में लाया है और मैं तीसरी बार उनके मंत्रिमंडल में हूँ।

हरिवंश बाबू के प्रति हमें बहुत बड़ा आदर रहा है। वे समाजवादी विचारधारा के हैं। वे हमेशा डा. बाबा साहेब अम्बेडकर जी को और राम मनोहर लोहिया जी को बहुत अच्छी तरह मानते रहे हैं। उनका काम गरीबों के लिए हमेशा बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने पत्रकारिता में बहुत ही अच्छा काम किया है। ऐसा उपसभापति मिलना हमारे लिए बहुत बड़े गौरव की बात है। लेकिन मेरा सुझाव इतना ही है कि जब मेरे जैसे छोटी पार्टी के लोग बोलने के लिए उठते हैं, तो 3 मिनट में माइक बंद हो जाता है, तो हमें थोड़ा सा ज्यादा टाइम देना चाहिए। मेरी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी है, मेरी छोटी पार्टी है, लेकिन हमें कभी-कभी थोड़ा ज्यादा मौका दे देना चाहिए।

सर, आपके प्रति हमें आदर है। टाइम की लिमिट होती है, लेकिन हाउस चलाने के लिए आपके बाद उनके ऊपर बड़ी जिम्मेदारी होती है और वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इसलिए मैं अपनी पार्टी आरपीआई की तरफ से आपको हार्दिक बधाई देता हूँ।

*"आपके अंग में है गरीबों को न्याय देने का अंश,
जिनके अंग में है गरीबों को न्याय देने का अंश,
उनका नाम है - हरिवंश।"*

यह बात आपके लिए बहुत अच्छी है। आप आगे बढ़िए, हम आपके साथ हैं। जय भीम!

MR. CHAIRMAN: Now, Shriman Praful Patel.

श्री प्रफुल्ल पटेल (महाराष्ट्र): सभापति महोदय, हम सभी आज हमारे उपसभापति, हरिवंश जी को बधाई देने के लिए यहाँ पर उपस्थित हैं। मैं सबसे पहले उनको अपनी ओर से, मेरी पार्टी की ओर से और हम सभी की ओर से, तहे दिल से बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ। एक बहुत ही उचित व्यक्ति, उचित पद के लिए निर्वाचित हुए हैं, तीसरी बार निर्वाचित हुए हैं, यह हम सब लोगों के लिए खुशी का मौका है, गर्व का मौका है।

महोदय, ये चहुंमुखी व्यक्तित्व के धनी हैं और अपने जीवन की इस यात्रा में उनको विभिन्न पहलुओं पर काम करने का मौका मिला और एक सामान्य परिस्थिति से इस उच्च पद तक पहुँचने का उनका जो सफर रहा है, वह सही मायने में हम सभी लोगों के लिए, इस देश के लोगों के लिए और सामान्य लोगों के लिए बहुत प्रेरणादायक रहा है। ये ऐसे व्यक्तित्व के धनी हैं और इस सदन में लगातार तीसरी बार उनका निर्वाचन हुआ, सभी की सहमति से हुआ और एक खुशी के माहौल में हुआ, यह आपके लिए भी और हम सब लोगों के लिए भी एक बहुत अच्छी बात रही है।

आपके इस सफर में, मैं भी अनेक वर्षों से आपका सहयात्री रहा हूँ। इसे मैं अपने लिए भी एक बहुत बड़ा सौभाग्य समझता हूँ। अपने व्यक्तित्व से आपने इस सदन में काफी कुछ अच्छी परंपराओं की भी शुरुआत की है, उनका निर्वाह किया है। चूंकि एक तरह से इस सदन का, राज्य सभा का एक अलग महत्व है - लोक सभा का तो अपना महत्व है ही, लेकिन राज्य सभा में भी विद्वत् विचारों को आगे बढ़ाने के लिए, एक संतुलन बना कर रखने के लिए, हमारी संसदीय परंपराओं को कायम रखने के लिए, इस सदन का एक अलग महत्व है, इसकी एक अलग प्रतिभा है।

उसमें आप जैसे व्यक्ति को, जिसको अनुभव है, जिसकी कार्यशैली एक अच्छी परंपराओं में ढली हुई है, ऐसे व्यक्ति को आज आपके माध्यम से सभी ने मिल कर इस पद पर विराजमान किया है। यह हम सभी लोगों के लिए एक बहुत अच्छी बात है। मैं फिर से अपनी ओर से हरिवंश जी को बहुत-बहुत बधाई देना चाहूँगा। वे यही उज्ज्वल और उच्चतम परंपराओं को इस सदन में इसी तरह से निर्वाह करते रहेंगे तथा आपको भी सहयोग करते रहेंगे एवं सदन की कार्यवाही चलती रहेगी। मैं फिर से उनको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ, धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Now, Shriman Prof. Manoj Kumar Jha.

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से पुनः एक बार अपने दल, राष्ट्रीय जनता दल और अपनी लीडरशिप की ओर से श्रीमान् हरिवंश जी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। माननीय सभापति महोदय, जैसा माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी कहा कि आज हमारे भूतपूर्व प्रधान मंत्री चंद्रशेखर जी की सौवीं जयंती है। यह अवसर कई मायनों में महत्वपूर्ण है, सिर्फ इसलिए नहीं कि हरिवंश जी ने बहुत नैकट्य के साथ, निकटता के साथ उनके साथ काम किया है। मैं आज इस अवसर पर चंद्रशेखर जी को स्मरण इसलिए करना चाहता हूँ कि शायद वे भारत के विरले प्रधान मंत्री थे, जो किसी लोकप्रिय चीज के पक्ष में खड़ा होने के बजाय सच क्या है, उसके पक्ष में खड़े होते थे। यह हिम्मत, यह ताकत आज के दौर में एक missing component है। हरिवंश जी इस बार पहली बार सर्वसम्मति से उपसभापति बने हैं। पिछली बार मैं रनरअप था, उनके समक्ष खड़ा था। वह सांकेतिक था, व्यक्तियों का कभी संघर्ष नहीं होता है, वैचारिकी का होता है, प्रस्थापनाओं का होता है।

सभापति जी, मेरा आपके माध्यम से आग्रह होगा कि यह सदन सिर्फ बड़े दलों से ही नहीं बना है, हम जैसे छोटे दलों से भी बना है। हमारे लिए भी संभावनाएँ बरकरार रहें, क्योंकि छोटे हैं, लेकिन प्रतिनिधित्व है, इसलिए लोगों की नजर रहती है। मैं आपसे और माननीय उपसभापति जी से भी आग्रह करूँगा कि पूरी रवायत को, अपनी संसदीय लोकतंत्र की रवायत को we should revisit. माननीय सभापति महोदय, मैं यह क्यों कह रहा हूँ? मैं ज्यादा वक्त नहीं लूँगा। कल दूसरे सदन में कहा गया कि घरों की जाति नहीं होती। माननीय सभापति महोदय, मैं आपको कहूँ, अगर आज माननीय पूर्व प्रधान मंत्री चंद्रशेखर जी होते, तो कहते, हाँ, घरों की जातियाँ होती हैं, टोले जातियों के नाम पर बसे हैं।

माननीय सभापति जी, बस मैं आप लोगों से आग्रह करूँगा कि इस देश का संसदीय लोकतंत्र हर आक्षेप, हर कुठाराघात, हर चुनौती को स्वीकार कर लेगा, बस इतनी संभावना बनी रहे कि विरोध [£] नहीं है, असहमति [£] नहीं है। जय हिंद! शुक्रिया, सर।

MR. CHAIRMAN: Now, Shriman Ravi Chandra Vaddiraju.

श्री रविचंद्र वदीराजू (तेलंगाना): सर, आपने मुझे हरिवंश जी के डिप्टी चेयरमैन रिइलेक्ट होने के अवसर पर उनको शुभकामना देने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद। मैं उनको यहाँ पर उपसभापति के पद पर पिछले चार साल से देख रहा हूँ। मेरा ज्यादातर स्पीचेज़ उनके चेयर पर रहते ही हुईं। मैंने एक बार भी उनको गुस्से में नहीं देखा। वे हाउस को बहुत अच्छे से चलाते हैं। उनका हैप्पी फेस है। वे politely maintain करते हैं, डिग्निटी भी अच्छी है। मैं उनको अपनी तरफ से, हमारी पार्टी की तरफ से, हमारी पार्टी के मेंबर्स की तरफ से, हमारी पार्टी के नेता केसीआर जी की तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूँ।

[£] Expunged as ordered by the Chair.

इस सदन में बहुत-से नए मेंबर्स भी आए हैं, उन सभी को भी मैं अपनी तरफ से, हमारी पार्टी की तरफ से शुभकामनाएँ देता हूँ। मैंने देखा है कि जब उपसभापति जी अंदर बैठे होते हैं, तो भी कुछ इमरजेंसी हुई और एक स्लिप दी, तो वे उसको भी अच्छे-से संभालते हैं और देख लेते हैं।

12.00 Noon

उनको रिइलेक्ट होने पर मैं शुभकामनाएँ देता हूँ। यह उनका हक है, क्योंकि वे एक हार्ड वर्कर हैं। वे बिहार के एक छोटे-से गांव से आते हैं और वे सारी चीजें देख चुके हैं। इन सबके बारे में प्राइम मिनिस्टर साहब ने यहाँ अच्छी तरह से बताया है।

सर, मैं यहाँ पर एक विषय उठाना चाहता हूँ, जो इससे संबंधित नहीं है। अभी प्राइम मिनिस्टर साहब की ओर से एमपीलैड्स के फंड की समस्या की बात कही गई। मैं भी आप सबके सामने यह बोल रहा हूँ कि एमपीलैड्स के फंड को 5 करोड़ से बढ़ाया जाना चाहिए। इससे पहले, प्रो. राम गोपाल यादव जी ने भी इसके बारे में बोला है। सर, एमपीलैड्स फंड को बढ़ाकर 20 करोड़ किया जाना चाहिए, क्योंकि अभी बहुत प्रॉब्लम्स हो रही हैं। इसके तहत जो राशि दी जा रही है, उसमें से एक करोड़ टैक्स के रूप में चला जा रहा है। इसके कारण बहुत बड़ी समस्या हो रही है, क्योंकि हमारी राज्य सभा की कांस्टिट्यूंसी का मतलब पूरा राज्य होता है, जो कि लोक सभा की कांस्टिट्यूंसी से बहुत बड़ी है। सर, हमारी तरफ से हरिवंश जी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं! आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Shriman Dr. John Brittas.

DR. JOHN BRITTAS (Kerala): Thank you very much for the opportunity, Mr. Chairman, Sir. Greetings to Harivanshji from the people of Kerala and hearty congratulations from CPI (M)! We share a similar pedigree. We started our profession as journalists. He was an impeccable editor and we journalists always used to look up to him for guidance and direction. Nowadays, both of us are agonized at the present state of the media. So, we also share the same view with regard to the sector which groomed us.

Sir, he is so lucky that felicitation after felicitation is happening in a span of one month. Last month only, we showered our gratitude and praise over him, even the hon. Prime Minister. Now, he is getting the second one. I think, he is the luckiest person. I will speak my heart out. He became more joyful and cheerful after you became the Chairman, that much I can tell you. Do you agree with me? ...*(Interruptions)*... And we want that his happiness should be passed on to us also.

MR. CHAIRMAN: I hope you are also very cheerful.

DR. JOHN BRITTAS: Yes, Sir, obviously. He is one person who wants to uphold the dignity and also fairness. He always wants to maintain the prestige of the House. I remember that when many of us were suspended for no rhyme or reason for three months, he was one person who was anguished that we were out of the House. And, I know very well that he worked, as far as he could, to ensure that we are back in the House. And, I had expressed my gratitude also. When he was retiring, I had a premonition, an intuition that he would come back with a bang, which has happened now. Now, as Thambiduraiji said, he will become Deputy Chairman for the fourth time too. But I don't want that because at the fourth time, he should be in a much more enhanced and elevated position. That is our wish and aspiration.

I would only underscore what my friend, Prof. Manoj Jha, has said. This House is the Council of States. He is a stickler for rules. I admire him for that. But the objective and the cardinal duty of the House should be much more important than the rule *per se*. So, when he wants to ring the bell, he should think that the smaller parties, those who come from the small States, get a little more time, so that they can express a different shade of opinion. That is what I plead with him. Sir, once again, I extend my hearty congratulations, and I wish that in the third innings he would be a little more liberal to us. Thank you very much, Sir.

श्री सभापति: श्रीमान चौधरी मोहम्मद रमज़ान।

श्री चौधरी मोहम्मद रमज़ान (जम्मू-कश्मीर): ऑनरेबल चेयरमैन सर, मैं जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस की तरफ से अपने लीडर, जनाब डा. फारूक अब्दुल्ला साहब और अपने चीफ मिनिस्टर, जनाब उमर अब्दुल्ला साहब की तरफ से जनाब हरिवंश जी को उनके तीसरी बार डिप्टी चेयरमैन का ओहदा सम्भालने के लिए मुबारकवाद देना चाहता हूँ। ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर साहब ने इनकी जिंदगी का पूरा एक नक्शा यहां पर खींचा कि उन्होंने जिंदगी कैसे शुरू की, एक गाँव से आए और कितना कंट्रीब्यूशन दिया। चाहे वे विदेशों में गए, चाहे अपने गाँव में काम किया, अपने स्टेट में काम किया या जब यहां नई पार्लियामेंट बिल्डिंग का काम चल रहा था, तब उसमें कितने मशवरे उन्होंने ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर साहब को दिए, उसके बारे में प्राइम मिनिस्टर साहब ने खूब कहा। मैं तो उसमें कुछ ज्यादा ऐड नहीं कर सकता हूँ, लेकिन मैं यही कहूंगा कि इतनी बड़ी-बड़ी कुर्सियों पर वही लोग पहुंचते हैं, जो डेडिकेशन से काम करते हैं। लिहाजा, मैं इनको एक बार फिर अपनी तरफ से मुबारकवाद देना चाहता हूँ। आज उन्होंने तीसरी बार ये पद संभाला। I wish him many, many returns of this day. मैं तो यही इनसे कहूंगा कि अपोजिशन जो है, उसको ज़्यादा से ज़्यादा accommodate किया जाना चाहिए। जमहूरियत का मतलब ही यही है कि आपके मुल्क में लास्ट कोने में भी अगर कोई आदमी है, तो उसकी आवाज भी सुनी जाए। यही डेमोक्रेसी का मतलब है। मैं ऑनरेबल डिप्टी चेयरमैन साहब से कहना चाहूंगा कि उन्होंने अच्छे

तरीके से हमें accommodate किया, लेकिन जो छोटी-छोटी पार्टियां हैं, जैसे जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पांच साल तक इस हाउस में सीट्स खाली रहीं। पांच साल के बाद यहां पर हम दो-तीन आदमी आए। मुश्किल से हमें दो या तीन मिनट बोलने के लिए मिलते हैं और जब हम खड़े होते हैं, तो हमें यह डर होता है कि कभी भी बेल बज जाएगी, तो हम बैठ जाएं। बात करने के लिए हमारा गला भी साफ नहीं होता है, उधर से बेल बजती है। लिहाजा, मैं इनसे यही गुजारिश करूंगा कि आप हमें अकोमोडेट कर लीजिए। छोटी-छोटी पार्टियों को ज़्यादा समय दीजिए। बड़ी-बड़ी पार्टियों के पास बहुत टाइम होता है। ये अपनी बात तो मनवाते हैं, लेकिन छोटी-छोटी पार्टी और छोटी रियासतों के लोग कहां जाएं, अगर हम अपनी बात यहां नहीं कहेंगे - जैसे मैंने कहा कि जमहूरियत का मतलब है कि मुल्क के कोने में कोई भी आदमी हो, उसकी बात सुनी जानी चाहिए। मैं इनको एक और कंट्रीब्यूशन देना चाहता हूं कि जब ये इन्कार भी करते हैं, तो हंसते-हंसते करते हैं। इन्होंने कभी अपना टेम्पर लूज नहीं किया। हालांकि हमने देखा है, मैं भी चार बार असेंबली में चुनकर आ चुका हूं, जम्मू-कश्मीर असेंबली में मिनिस्टर भी रहा काफी टाइम, तो उधर भी जो प्रीसाइडिंग अफसर होते हैं, वे टेम्पर लूज करते हैं, इन्कार करते हैं, लेकिन आप हमेशा अगर इन्कार भी करते हैं, तो हंसते-हंसते करते हैं। यह आपकी एक बहुत बड़ी खूबी है। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के जो तीन आदमी हम यहां पर आए हैं — मिस्टर सजाद अहमद किचलू साहब, गुरविंदर सिंह जी — मैं उनकी तरफ से भी कहना चाहता हूं, अपनी तरफ से और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस की तरफ से हम आपको पूरा सहयोग देंगे और अपना पूरा कोऑपरेशन देंगे। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि यहां पर जैसे एक ऑनरेबल मेम्बर साहब ने या फिर जॉन ब्रिटान साहब या किसी और ने भी एमपीलैड्स के बारे में कहा। लोकसभा का एक एमपी जो होता है, उसका अपना एक डिस्ट्रिक्ट होता है, जहां वे काम करते हैं। ये जो अपर हाउस है, राज्यसभा में जो एमपी बनता है, उसका तो पूरा स्टेट ही अपना एरिया होता है। उधर भी यही फंड्स, यहां भी यही फंड्स और कई स्टेट्स में तो एक एमएलए के पास इससे भी ज्यादा फंड होता है। मेरे स्टेट में भी चार-पांच करोड़ रुपए स्टेट में खर्च करते हैं, एक-एक एमएलए को देते हैं। अब जब इस राज्य सभा में आप वही पैसा एक एमपी को भी दे देंगे और इतना बड़ा एरिया है, तो मैं समझता हूं कि कुछ भी काम अच्छी तरह से नहीं होगा। हम भी चाहते हैं कि जैसे आपने अपना नाम अपनी कारकदगी की वजह से ऊंचा किया है। यहां बहुत सारे लोग होंगे जो चाहेंगे कि वे भी अपना नाम भी ऊंचा करें। इसके लिए आपका सहयोग होना चाहिए। आप भी प्राइम मिनिस्टर साहब के पास इस सारे हाउस की तरफ से सिफारिश कर दीजिए, ताकि एमपीलैड्स फंड बढ़े। हम एक बार फिर आपको इस हाउस को चलाने में पूरा सहयोग देंगे, कोऑपरेशन दे देंगे। धन्यवाद।

نیشنل کشمیر جموں میں لیسر چیئرمین آنریبل : (کشمیر و جموں) رمضان محمد چودھری جناب[†]
 ،منسٹر چیف اپنے اور صلب عبداللہ فاروق ڈاکٹر جناب ،لیڈر اپنے سے طرف کی کانفرنس
 کا چیئرمین ڈپٹی باریتسری کے ان کو جی بریونش جناب سے طرف کی صلب عبداللہ عمر جناب
 بوں۔ چاہتا دینا مبارکباد لیے کے سمبھالنے عہدہ

[†] Transliteration in Urdu script.

کہ کھینچا پر یہاں ہنقش ایک پورا کا زندگی انکی نے صاحب منسٹر پرائم آنریبل وہ چاہے دیا۔ کنٹریبوشن کتنا اور آئے سے گاؤں ایک، کی شروع کیسے زندگی نے انہوں نئی یہاں جب یا کیا کام میں اسٹیٹ اپنے، کیا کام میں گاؤں اپنے چاہے، گئے میں ودیشوں منسٹر پرائم آنریبل نے انہوں مشورے نے کت میں اس تب، تھا رہا چل کام کا بلڈنگ پارلیمنٹ زیادہ کچھ میں اس تو میں کہا خوب نے صاحب منسٹر پرائم میرا رے اسکے، دینے کو صاحب پہنچتے لوگ وہی پر کرسیوں بڑی بڑی اتنی کہ کہونگا یہی میں لیکن، ہوں سکتا کر نہیں ایڈ مبارکباد سے طرف اپنی پھر ارب ایک انکو میں لہذا، ہیں۔ کرتے کام سے ڈیڈیکیشن جو، ہیں I wish him many, many returns سنبھالا۔ پد یہ بار تیسری نے انہوں آج ہوں۔ چاہتا دینا زیادہ سے زیادہ اسکو ہے جو اپوزیشن کہ کہونگا سے ان یہی تو میں of this day. کونے لاسٹ میں ملک آپکے کہ ہے یہی ہی مطلب کا جمہوریت چاہیئے۔ جانا کیا accommodate میں ہے۔ مطلب کا ڈیموکریسی یہی جائے۔ سنی بھی آواز اسکی تو ہے آدمی کوئی اگر بھی میں ہمیں سے طریقے اچھے نے انہوں کہ چاہونگا کہنا سے صاحب چیئرمین ڈپٹی آنریبل نیشنل کشمیر جموں جیسے، ہیں پارٹیاں چھوٹی چھوٹی جو لیکن، کیا accommodate تین دو ہم پر یہاں بعد کے سال پانچ رہیں۔ خالی سیٹس میں ہاؤس اس تک سال پانچ، کانفرنس، ہیں بوتے کھڑے ہم جب اور ہیں ملتے لیے کے بولنے منٹ تین یا دو ہمیں سے مشکل آئے۔ آدمی لیے کے کرنے بات جائیں۔ بیٹھ ہم تو، جائیگی بچ بیل بھی کبھی کہ ہے بتا ڈر یہ ہمیں تو کرونگا گزارش یہی سے ان میں لہذا، ہے۔ بحتی بیل سے ادھر ہے بتا نہیں صاف بھی گلا ہمارا بڑی بڑی دیجیے۔ سمے زیادہ کو پارٹیوں چھوٹی چھوٹی لیجئے۔ کر اکو موڈیٹ ہمیں آپ کہ پارٹی چھوٹی چھوٹی لیکن، ہیں منواتے تو بات اپنی یہ ہے۔ بتا ٹائم بہت پاس کے پارٹیوں نے میں جیسے۔ گے کہیں نہیں یہاں بات اپنی ہم اگر، انیچ کہاں لوگ کے ریاستوں چھوٹی اور جانی سنی بات اسکی، ہو آدمی بھی کوئی میں کونے کے ملک کہ ہے مطلب کا جمہوریت کہ کہا تو، ہیں کرتے بھی انکار یہ جب کہ ہوں چاہتا دینا کنٹریبوشن اور ایک انکو میں چاہیئے۔ دیکھانے ہم حالانکہ کیا۔ نہیں لوڑ پر ٹیم ناپ کبھی نے انہوں ہیں۔ کرتے ہنستے ہنستے رہا بھی منسٹر میں اسمبلی کشمیر جموں، ہوں آچکا کر چن میں اسمبلی بار چار بھی میں ہے شرارتیں، ہیں کرتے لوڑ ٹیمپر وہ، ہیں بوتے افسر پریزائڈنگ جو بھی ادھر تو، ٹائم کافی آپکی یہ ہیں۔ کرتے ہنستے ہنستے تو، ہیں کرتے بھی انکار اگر ہمیشہ آپ لیکن، ہیں کرتے ہیں آئے پر یہاں ہم آدمی تین جو کے کانفرینس نیشنل کشمیر و جموں ہے۔ خوبی بڑی بہت ایک، ہوں چاہتا کہنا بھی سے طرف انکی میں — جی سنگھ گروندر صاحب کچلو احمد سجاد مسٹر — اور دینگے سہیوگ پورا کو آپ ہم سے طرف کی کانفرینس نیشنل کشمیر جموں اور سے طرف اپنی دینگے۔ آپریشن کو پورا اپنا

یا نے صاحب میمبر آنریبل ایک جیسے پر یہاں کہ ہوں چاہتا کہنا اور بات ایک میں ایک کا سبھا لوک کہا۔ میرا رے کے لپڈس پی ایم بھی نے اور کسی یا صاحب برٹاس جان پھر اہر جو یہ ہیں۔ کرتے کام وہ جہاں لےے بتا ڈسٹرکٹ ایک اپنا اسکا ہے بتا جو پی ایم بتا ایریا اپنا ہی اسٹیٹ پورا تو اسکا ہے بتا پی ایم جو میں سبھا راجیہ ہے ہاؤس پاس کے لے ایل ایم ایک تو میں اسٹیٹس کئی اور فنڈس یہی بھی یہاں، فنڈس یہی بھی ادھر ہے۔ خرچ میں اسٹیٹ روپے کروڑ پانچ چار بھی میں اسٹیٹ میرے ہے۔ بتا فنڈ زیادہ بھی سے اس

ایک پیسہ وہی آپ میں سبھا راجیہ اس جاب میں دیتے کو ایل ایم ایک ایک ، میں کرتے اچھی کام بھی کچھ کہ ہوں سمجھتا میں تو ہے ایریا بڑا اتنا اور دینگے دے بھی کو پی ایم سے وجہ کی وردگی کا اپنی نام اپنا اپنے جیسے کہ میں چاہتے بھی ہم ہوگا۔ نہیں سے طرح کریں۔ اونچا بھی نام اپنا بھی وہ کہ چاہینگے جو ہونگے لوگسارے بہت یہاں ہے۔ کیا اونچا کمیٹیاؤں سارے اسپاس کے صلب منسٹر پرانم بھی آپ چاہیئے۔ ہونا سہیوگ کا آپ لیے اسکے کو اؤسہ اس کو آپ پھر بار ایک ہم بڑھے۔ فنڈلڈس پی ایم تاکہ ، دیجیے کرسفارش سے طرف سر۔ یو تھینک دینگے دے آپریشن کو ، دینگے سہیوگ پورا میں چلانے

MR. CHAIRMAN: Dr. Sarfraz Ahmad.

ڈا. سر فراج احمد (झारखंड): सर, मैं अपनी ओर से, अपने दल के नेता, झारखंड मुक्ति मोर्चा के हेमंत सोरेन जी की तरफ से हरिवंश जी को बहुत-बहुत बधाई और मुबारकबाद देता हूँ। मैं बताना चाहता हूँ कि इनके तार झारखंड से भी जुड़े हुए हैं। इन्होंने वहाँ पर सेवा की है और मुझे इस बात का विश्वास है कि अपनी तीसरी पारी में, और जिस तरह इन्होंने बाकी दो इनिंग खेली हैं, उसी तरह अच्छे ढंग से कंडक्ट करेंगे, हाउस को चलाएंगे।

आपने एनेक्सी में जो ऑल पार्टी मीटिंग की थी, उसमें आपने विश्वास दिलाया था कि छोटे-छोटे दलों को भी मौका मिलेगा। बड़े दलों को तो अपनी बातें रखने का, अपने राज्य के बारे में कहने का काफी टाइम मिलता है। मैं पुनः फिर उस बात को दोहराना चाहता हूँ कि छोटे दलों का आप ख्याल रखेंगे और उन्हें भी मौका मिलना चाहिए कि अपनी जायज़ मांगों को लेकर अपने राज्य की चर्चा में हिस्सा लें। मैं पुनः हरिवंश जी को बधाई और मुबारकबाद देना चाहता हूँ।

مکتی جہارکھنڈ ، نیتاکے دل اپنے سے طرف اپنی میں سر : (جہارکھنڈ) احمد سرفراز ڈاکٹر + دیتا مبارکباد اور بدھائی بہت بہت کو جی بریونش سے طرف کی جی سورین بیمنٹ کے مورچہ وہاں نے انہوں میں۔ ہوئے جڑے بھی سے جہارکھنڈ تار انکے کہ ، ہوں چاہتا بتانا میں ہوں۔ انہوں طرح جس اور ، میں پاری تیسری اپنی کہ بے وشواس کابات اس مجھے اور بے کی سیوا پر چلائینگے۔ کوہاؤس ، کرینگے کنڈکٹ سے ڈھنگ اچھے طرح اسی ، میں کھیلی انگ دو باقی نے

کہ تھا دلایا وشواس اپنے میں اس ، تھی کی میٹنگ پارٹی ال جو میں اینیکسی اپنے راجیہ اپنے ، کا رکھنے باتیں اپنی تو کو دلورڈے ملیگا۔ موقع بھی کو دلوں چھوٹے چھوٹے چھوٹے کہ ہوں چاہتا دہرانا کو بات اس پھر میں ہے۔ ملتا ٹائم کافی کا کہنے میں بارے کے لیکر کو مانگوں جائز اپنی کہ چاہیئے ملنا موقع بھی انہیں اور رکھینگے خیال آپ کا دلوں دینا کباد مبار اور بدھائی کو جی بریونش پھر میں لیں۔ ہم میں چرچا کی راجیہ اپنے ہوں۔ چاہتا

MR. CHAIRMAN: Shriman H.D. Devegowda.

[†] Transliteration in Urdu script.

SHRI H.D. DEVEGOWDA (Karnataka): Thank you very much, Sir, for giving me this opportunity. I would like to associate myself with other colleagues to express my sincere compliments for the election of our former Deputy Chairman today for the third term. I have been seeing him for the last four years as Deputy Chairman of the Rajya Sabha. His performance, when he conducted the Business, was excellent. I am watching how your goodself, sitting in the exalted Chair, tries to control and bring discipline in this House. The same thing our Deputy Chairman does while conducting the Business when he sits in the exalted Chair. I am supremely happy. Our leader, Naddaji, has proposed his name as an NDA candidate which we all unanimously supported. Hon. Prime Minister made a very exhaustive speech about his performance. I am supremely happy, and I will associate myself with other colleagues to compliment and congratulate him. During the present term also -- I think my term is going to end very soon -- I am happy that today I have got the occasion to compliment our Deputy Chairman who is sitting in your absence in this exalted Chair to conduct the Business excellently. I, once again, compliment him, congratulate him and I wish him all the best.

MR. CHAIRMAN: Shriman Sandosh Kumar P.

SHRI SANDOSH KUMAR P (Kerala): Thank you, Sir, for giving me this opportunity. On behalf of my State, Keralam and on behalf of my Party, the Communist Party of India, I congratulate Harivanshji. Harivanshji is an experienced Parliamentarian with a rich and vivid experience. I wish his new innings will be colourful and eventful. We all heard his emotional, poetical retiring speech some 15 days ago. Again, he is fortunate enough to become a Member of this august House. I don't want to take much of your time. I request him to consider all Members in an equal manner, treat them fairly; each and every political party has something to say in our democratic system. So, when the democratic norms and procedures are under threat, I hope a man with socialist background can do something for the betterment of this country; and I wish him all the success. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Shriman Abdul Wahab.

SHRI ABDUL WAHAB (Kerala): Thank you, Mr. Chairman, Sir, for giving me this opportunity. I am very happy to felicitate our Deputy Chairman. On my behalf and on behalf of my party, IUML, Indian Union Muslim League, I wish him all the best for his future career. I came to Rajya Sabha in 2004. In these years, we have had many Deputy Chairmen. Initially, I did not speak much, but after him coming to the Chair

and, of course, Dr. Brittas' fuelling also, I could speak now in one minute. That is the experience I got from our Deputy Chairman. The maximum time allotted is three minutes. After two minutes, he would start saying, 'Wahab, Wahab'! So, he knows my name because of those three minutes. I would be going from here next year. But I wish, in future, to small parties like us, you should not keep reminding Members of the time. In those three minutes if you keep reminding us of the time, then one minute is gone. But you do give time after that. So, I wish our Deputy Chairman gives us more time. Immediately after the big party, our Naddaji's party, ask them to give us a few minutes more, they give us some time in between! & "During discussions, allocation of speaking time may be arranged in an alternating manner between larger and smaller parties, so that smaller parties are not compelled to wait for extended periods to participate in the proceedings." There should be alternating of big party and small party. It should be done like that. Otherwise, we have to wait for long, sometimes even up to midnight. Thank you very much, Sir. I hope he would do a wonderful job in these six years also. I wish him all the best. I am not wishing him a fourth term; I want him to sit in your seat later. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Shriman Milind Murli Deora.

श्री मिलिंद मुरली देवरा (महाराष्ट्र): सभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे सदन में अपनी बात रखने का अवसर दिया। मैं सबसे पहले महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे जी, हमारी पार्टी शिवसेना की ओर से हरिवंश जी के लगातार थर्ड टाइम डिप्टी चेयरमैन चुने जाने पर आपके माध्यम से दिल की गहराइयों से उन्हें बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ। माननीय प्रधान मंत्री जी से लेकर लीडर ऑफ अपोजिशन तक सभी संसदीय नेताओं ने हरिवंश जी की क्या क्वालिटीज़ हैं, उनके बारे में अपनी बात रखी है। Sir, as a younger member of the House, there are many, many qualities for us to emulate. One quality which nobody has spoken about, which I would be very pleased to talk about, which I learned only very recently, is Harivanshji's deep respect and regard for Indian Vedic spirituality. I think that is what explains his very calm demeanor.

Sir, it is also important to note that since 1952, there have been 19 elections to the post of Deputy Chairman of the Rajya Sabha, of which 14 have been elected unopposed. And, in a country with as much politics as ours, with 1.4 billion people and thousands of parties, being elected as Deputy Chairman of the Rajya Sabha unopposed, with a 74 per cent rate, I am sure. we would all agree, is one of the most

& English translation of the original speech delivered in Malayalam.

consensual processes in India's democracy. So, to have somebody who has been an inspiration to many of us, someone with a congenial nature, with a highly collaborative nature, with a highly spiritual nature, to join the esteemed list of Deputy Chairpersons, including himself, who have been elected unopposed, I am sure, is an honor in itself. Once again, मैं अपनी पार्टी की तरफ से हरिवंश जी को आपके माध्यम से बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ, धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Shriman Sanjay Raut.

श्री संजय राउत (महाराष्ट्र): सभापति जी, मैं अपनी पार्टी शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की तरफ से हरिवंश जी का अभिनंदन भी करता हूँ और स्वागत भी करता हूँ। आजकल ऐसे बहुत कम मौके होते हैं कि उचित पद पर उचित व्यक्ति को बिठाया जाता है। लेकिन मैं देख रहा हूँ, जब आप चेयरमैन बने, तभी मुझे लगा कि उचित पद पर उचित व्यक्ति को बिठाया है और आज हमारे मित्र, हरिवंश जी को भी तीसरी बार, आपने यहाँ पर जो मौका दिया है, उससे मुझे आनंद का अनुभव हुआ कि एक बार फिर उचित पद पर, उचित व्यक्ति को प्रधान मंत्री जी ने बिठाया है, इसलिए मैं सरकार का भी स्वागत करूंगा।

सर, प्रधान मंत्री जी ने अपने भाषण में हरिवंश जी के बारे में कहा कि उनका बैकग्राउंड पत्रकारिता का है, हमारी बिरादरी के हैं। हरिवंश जी लिखते हैं, बोलते हैं, सोचते हैं। आजकल सोचने की प्रक्रिया बंद हो चुकी है, जबकि आप सोचते हैं, लिखते हैं और आप विद्वान हैं।

प्रधान मंत्री जी ने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का उनका प्रयास रहा है। पत्रकार के लिए यह सबसे बड़ी बात है कि जहाँ हम बैठते हैं, वहाँ से हमें अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। डिप्टी चेयरमैन साहब, यही बात इस सदन के बारे में भी सोचिए। यहाँ भी बहुत अंतिम व्यक्ति हैं, जिनको कभी मौका नहीं मिलता है या मौका मिलता है, तो बहुत कम मौका मिलता है, लेकिन एक बात है कि आपसे कभी संघर्ष नहीं होता है। आपसे संघर्ष करने का कभी मन भी नहीं होता है। आपने अब तक सदन को बहुत अच्छे तरीके से चलाया है। सभी ने कहा कि आपको पहली बार, दूसरी बार, तीसरी बार और अब चौथी बार भी मौका मिलना चाहिए। मैं कहूँगा कि चौथी बार विद प्रमोशन मौका मिलना चाहिए। हम सब यह चाहेंगे। मैं फिर एक बार आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। इसी तरह से आप सामाजिक कार्यों में, राजनीतिक कार्यों में और पत्रकारिता में भी उन्नति करें, यही प्रार्थना है। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Shriman Sharadchandra Pawar, not present; Shriman Ram, not present; Shriman Birendra Prasad Baishya, not present; Shriman Kamal Haasan, not present; Shriman Upendra Kushwaha.

श्री उपेन्द्र कुशवाहा (बिहार): महोदय, मैं अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा की ओर से श्री हरिवंश जी को तीसरी बार चयन के लिए ढेर सारी बधाई देता हूँ। अभी कुछ दिन पहले जब इनका राज्य

सभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा था - राष्ट्रपति जी के नामांकन के पूर्व इलेक्शन कमीशन की ओर से शेड्यूल निकाला गया था कि राज्यसभा में कौन-कौन लोग फिर चुनकर जाएंगे। उस वक्त अलग-अलग पार्टी की ओर से जिन कैंडिडेट्स का अनाउंसमेंट हुआ, तो हरिवंश जी का नाम सूची में नहीं था। अब उसे देखकर इनकी पुरानी बिरादरी, मतलब पत्रकारिता की दुनिया के कुछ लोगों ने बिहार में लिखा कि हरिवंश जी का पत्ता कटा। लेकिन उन्हें शायद मालूम नहीं था कि जिस पेड़ की जड़ें गहरी होती हैं, उसका पत्ता कभी कटता नहीं है, तो इनका पत्ता नहीं कटा और फिर से महामहिम का ध्यान इनके ऊपर गया।

महोदय, मैं हरिवंश जी से एक बात का आग्रह करना चाहता हूँ। महामहिम का ध्यान आपके ऊपर गया, इसमें बिहार का बड़ा योगदान है, क्योंकि बिहार ने ही पहली बार आपको यह पहचान दी कि इस बार महामहिम का ध्यान आपकी ओर गया। उस बिहार पर आप जिस रूप में ध्यान देते रहे हैं, आगे भी वह देते रहिएगा, निश्चित रूप से इतना मुझे भरोसा है। इसी क्रम में, मैं आपसे एक विशेष आग्रह करना चाहता हूँ। सर, जब आप उस कुर्सी पर बैठिएगा और अगर कोई बिहार के हित की बात कर रहा हो, तो आप घंटी बजाने में दो-चार मिनट देर कीजिएगा - इतना हम आपसे आग्रह करना चाहते हैं। आपका पहले का कार्यकाल बहुत अच्छा रहा है। आप इस पोस्ट से भी बड़ी पोस्ट के उपयुक्त हैं, एप्रोप्रियेट हैं। यह जगह आपको फिर से मिली है। व्यक्ति के अंदर जो परिपक्वता आती है, वह ज्ञान से आती है और ज्ञान प्राप्त करने के जो विभिन्न स्रोत हैं, उनमें अध्ययन एक बड़ा स्रोत है, और अध्ययन तो आप करते ही रहते हैं। साथ ही साथ अनुभव है। जिस अनुभव को आपने इस सदन में रहते हुए और बाहर की दुनिया में रहते हुए प्राप्त किया है, इस अनुभव और ज्ञान का ज्यादा से ज्यादा लाभ आगे के कार्यकाल में इस सदन को भी मिलेगा। आपके इस पद पर रहते हुए, इस सदन की गरिमा और ऊँची होगी और ऊँचाई तक जाएगी, ऐसा मेरा पूरा भरोसा है।

इन्हीं सारी बातों के साथ मैं फिर से आपका धन्यवाद करता हूँ। विशेष रूप से मैं अपने आदरणीय प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ, क्योंकि आपको यहां तक लाने में उनका बड़ा योगदान है और आदरणीय सभा के नेता नड्डा साहब का भी मैं अपनी पार्टी की ओर से धन्यवाद करता हूँ। मैं फिर से पूरे सदन, अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और बिहारवासियों की ओर से आपको ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ।

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Masthan Rao Yadav Beedha.

SHRI MASTHAN RAO YADAV BEEDHA (Andhra Pradesh): Thank you, Sir, for giving me this opportunity to speak on Harivanshji's election for the third term as the Deputy Chairman of this august House. I warmly congratulate and facilitate Harivanshji on his election as the Deputy Chairman of this House on behalf of the Telugu Desam Party and our leader, Shri Nara Chandrababu Naidu Garu, and also the Telugu people. His election reflects the collective confidence of the House in his integrity, experience and balanced approach. Over the years, he has demonstrated a deep understanding of

parliamentary practices and has upheld the dignity of the Chair with composure and fairness. His calm demeanour and impartial conduct have contributed significantly to the smooth functioning of this august House.

At a time when parliamentary proceedings are increasingly becoming dynamic, his ability to maintain order, while encouraging meaningful debate, is particularly commendable. His re-election is recognition of his consistent commitment to democratic values and institutional propriety. Members across the political spectrum have appreciated his patience and judicious handling of proceedings. I am confident that under his stewardship, the House will continue to function with decorum and purpose. His guidance will be especially valuable for new Members in navigating parliamentary procedures. I wish him continued success and productive tenure ahead in discharging the responsibility of this high office.

Sir, I have a small request. I urge upon you to give an opportunity to small parties and individuals and reasonable time to express our party views and the views of India. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: You know very well that we are trying to accommodate everyone as much as possible. Now, Dr. Sandeep Kumar Pathak.

डा. संदीप कुमार पाठक (पंजाब): ऑनरेबल चेयरमैन सर, मुझे बोलने का मौका देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय श्री हरिवंश जी के इस फेलिसिटेशन समारोह में मैं अपनी पार्टी की तरफ से और सभी सदस्यों की तरफ से उनको बधाई देता हूँ। मुझे आज भी याद है कि जब मैं पहली बार सदन में बोला, तो श्री हरिवंश जी ही चेयर पर बैठे हुए थे। मेरे बोलने के बाद उन्होंने मुझे एक छोटी सी चिट लिखकर दी कि आप बहुत अच्छा बोले। मैं घर गया और मैंने उसे अपने घर में सबको दिखाया। मैंने अभी भी उस चिट को बहुत सहेजकर रखा हुआ है। उसके बाद बोलने की प्रक्रिया शुरू हुई और मुझे बोलने के और भी बहुत मौके मिले। हर बार जब भी मैंने किसी अच्छे विषय पर सार्थक चर्चा करने की कोशिश की, तब हरिवंश जी की तरफ से एक चिट और पर्ची आती थी कि आपने विषय पर अच्छा बोला। उन सारी चिट्स और पर्चियां को मैंने अभी भी संभाल कर रखा है। वे मेरे लिए एक सर्टिफिकेशन है।

ऑनरेबल चेयरमैन सर, मेरे जैसा एक नया मेंबर जब सदन में पहली बार आता है, तो मन बहुत सारे संशय होते हैं कि कैसे होगा, क्या बोलेंगे, क्या मैं सबके बराबर बोलने में सक्षम हूँ या नहीं। ऐसे में जब ऐसा एप्रिसिएशन मिलता है, तो इससे आप न सिर्फ उसको एप्रिशिएट कर रहे हो, बल्कि उस व्यक्ति के लिए समर्थन कर रहे हो कि वह आगे भी और अच्छा करता रहे। इसके अलावा, एक और चीज़ मैंने नोटिस की कि जब भी मैंने पोलिटिकल भाषण दिए, तब इनकी तरफ से कोई पर्ची नहीं आई। जब-जब मैंने टेक्निकल और कंस्ट्रक्टिव सजेशनस दिए, तब-तब इनकी

तरफ से पर्ची आई। फिर मेरे मन में एक बार संशय हुआ कि अगर इनकी पर्ची चाहिए, तो मुझे ऐसा बोलना पड़ेगा। पोलिटिकल भाषण में इनका सपोर्ट नहीं आ रहा है। सर, मीडिया में टेक्निकल भाषण और कंस्ट्रक्टिव बातों को कोई छापता नहीं है।

हमारे देश में मीडिया को भी ऐसे मसाले वाले भाषणों की आदत है। इसलिए जब ऐसे भाषण में भी मौका मिले, तो आप हमें उसमें भी एप्रिशिएट करिए, तब हम भी उसमें अच्छा करेंगे।

सर, इसके अलावा, मैं एक और बात कहना चाहता हूँ कि ये बहुत सौम्यता से और बहुत सहजता से हाउस का संचालन करते हैं। हमें 3 मिनट-4 मिनट मिलते हैं। अब इन 3-4 मिनट्स में हमें उस विषय पर भी बोलना है, पॉलिटिकल पंच भी लाना है और बिना ऑफेंड किए, बिना डिसरप्ट किए अपनी बात को भी रखना है, तो हमेशा एक-दो मिनट कम ही पड़ जाते हैं। जब भी आपसे माँगा गया है कि आप हमें एक मिनट और दे दीजिए, तो आपने हर बार एक या दो मिनट दिए हैं। ऑनरेबल चेयरमैन सर, मैं यह कहना चाहता हूँ कि ये सिर्फ एक-दो मिनट नहीं होते हैं, इन एक-दो मिनट्स से ही आप इस पूरे सदन की गरिमा में चार चाँद लगा देते हैं। वह व्यक्ति, जिसको वह एक मिनट मिलता है, वह बड़े उत्साहित होकर जाता है कि मैंने अच्छा कॉन्ट्रिब्यूट किया। इसके कारण ज्यादा से ज्यादा सदन आधा घंटा-एक घंटा और एक्सट्रा चलेगा। इसलिए मेरा आज आपके माध्यम से निवेदन है कि जब भी कोई व्यक्ति बोल रहा है, कभी आधा मिनट, एक मिनट ज्यादा होता है, तो उसको थोड़ा लिनियेंट व्यू से देखा जाए और उसको समय दिया जाए, आप हमेशा ऐसा करते हैं।

सर, अगर इन सारी बातों को संजोया जाए, तो वे आपके चरित्र पर प्रकाश डालती हैं कि आप एक सौम्य, सहज व्यक्ति हैं। आप अपने चरित्र का यहाँ इस गरिमामयी पद पर बैठ कर इस सदन को चलाने में उपयोग करते हैं। हम सबके लिए यह खुशी की बात है कि आप फिर इस आसन पर बैठेंगे। इस अपॉर्चुनिटी को यूज करते हुए मेरा पर्सनल निवेदन है कि आप हमें हर बार दो मिनट एक्सट्रा दे दिया कीजिए।

MR. CHAIRMAN: You have already got extra minutes.

डा. संदीप कुमार पाठक: इसी के साथ, मैं एक बार फिर आपको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ, धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Shri Birendra Prasad Baishya.

SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA (Assam): Hon. Chairman, Sir, I thank you for this opportunity to congratulate Shri Harivansh ji on his re-election as Deputy Chairman of Rajya Sabha. I have a long association with him. When he was elected as Deputy Chairman for the first time, I personally met him in his Chamber. On the very first day, he told me that he had visited Assam many times and that he found Assam very beautiful. We talked about Dr. Birendra Kumar Bhattacharyya, a

Jnanpith Awardee, who was a close friend of mine and then we also talked about the Assam Movement.

Harivansh ji, who started his career as a journalist, is a very knowledgeable person. I know him personally. He always tried to run the House very smoothly and he always tried his best to give opportunity to each and every Member to participate in the discussions. I wish him all the success. Once again, on behalf of my Party, Asom Gana Parishad and on my own behalf, I congratulate him on his election as Deputy Chairman of Rajya Sabha. Thank you very much.

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Raghav Chadha.

SHRI RAGHAV CHADHA (Punjab): Sir, the leader of the Party I belong to is not present in the House and the newly-appointed Deputy Leader of the Party I belong to is also not present in the House. I am the recently removed Deputy Leader of the Party and I am present in the House.

MR. CHAIRMAN: No, no! ...(Interruptions)... You felicitate him. Why are you going into your own politics?

SHRI RAGHAV CHADHA: Sir, I thank you for giving me the opportunity to speak. I welcome and congratulate Shri Harivansh on his third innings as the Deputy Chairman of Rajya Sabha. श्री हरिवंश जी के साथ मेरा व्यक्तिगत रिश्ता थोड़ा खट्टा-मीठा रहा। खट्टा उस समय, जब हम ऑफ-टॉपिक चले जाते हैं, तो उनसे डाँट भी खाते हैं और मीठा उस समय, जब टॉपिक पर रह कर सटीक बात करते हैं, तब उनकी पर्ची और उनका आशीर्वाद आता है। मैं अपनी तरफ से प्रयास करूँगा कि उनके इस कार्यकाल में यह जो खट्टा-मीठा रिश्ता है, यह मीठा-मीठा रिश्ता बने और रिश्ते से खटास समाप्त हो। सर, मैं उनसे अनुरोध करूँगा कि जब हमारा समय समाप्त हो जाता है और वे घंटी बजा देते हैं, उसके बाद भी अगर वे हमें एक-दो-तीन मिनट थोड़ा ज्यादा दे देंगे, तो हम अपनी बात को और मजबूती से रख पाएँगे।

Sir, I associate myself with the sentiment of the entire House in welcoming and congratulating him on becoming the Deputy Chairman of Rajya Sabha. सर, मैं इस अवसर पर बस आधा मिनट लेते हुए आपको भी बधाई देना चाहूँगा, क्योंकि जब से आप इस सदन के सभापति बने हैं, हम तमाम मेम्बर्स को बोलने का काफी मौका मिलता है। उसका सबसे बढ़िया उदाहरण यह है कि आपसे पहले जीरो ओवर में मात्र 5 या 7 एमपीज़ को ही मौका मिलता था, लेकिन जब से आप इस गद्दी पर विराजमान हुए हैं, 15-20-22 सदस्यों को जीरो ओवर में मौका मिलता है। इसलिए मैं आपको भी बहुत-बहुत बधाई देना चाहूँगा। इस सदन की ओर से, सत्ता पक्ष की ओर से भी और विपक्ष की ओर से भी, आपको भी बहुत-बहुत बधाई। बहुत-बहुत शुक्रिया।

MR. CHAIRMAN: Shri Jose K. Mani.

SHRI JOSE K. MANI (Kerala): Sir, on behalf of my party, Kerala Congress (M), let me extend my best wishes to the newly elected Deputy Chairman of the Rajya Sabha on his third term. 'Third term' means he has the treasure-hold of so much of experience in managing this House. Originally, as a journalist, his association with universities and colleges and the youth definitely imparts a lot of knowledge to the Members of this House. Some of my colleagues have already mentioned this. Allotting time to the Members of larger parties probably will be easy. But allotting time to a single-Member party will be difficult. Most of the time, not most of the time, but always at the close of discussion on a Bill, time is given to a single-Member party and the Chair is always in a hurry to close the discussion. And interruption from the Chair is always there. We request that we should have a fair deal for a single-Member party also. Let me conclude by wishing him all the best. Our wholehearted support is with him. And before his term ends, I expect and I wish him a more elevated place in future. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Shrimati Sudha Murty.

SHRIMATI SUDHA MURTY (Nominated): &“On behalf of people of Karnataka and myself, I would like to congratulate hon. Deputy Chairman, Shri Harivansh.”

*"दुःखेष्वनुद्विग्नमनाः सुखेषु विगतस्पृहः।
वीतरागभयक्रोधः स्थितधीर्मुनिरुच्यते ॥"*

These are not just four lines written in the Bhagavad Gita. Very few people practise it. Whatever I know of Harivansh ji, he has practised it, and that is the reason he always smiles. He smiles because he is never angry. He has a great sense and love for literature, love for learning and love for knowing new things. I have observed this when I discussed with him many books on literature. He thinks only of the country, country's benefit and what is good for the Parliament. We are extremely happy. On behalf of all the Nominated Members, Sir, we congratulate you and we really enjoy your coming back home and we wish you all the best. धन्यवाद। जय हिंद! वंदे मातरम्!

MR. CHAIRMAN: Now hon. Leader of the House.

& English translation of the original speech delivered in in Kannada.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री; तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री जगत प्रकाश नड्डा): सभापति जी, आज सच में हम सबके लिए यह बहुत ही संतोष और खुशी का विषय है कि आदरणीय हरिवंश जी फिर से उपसभापति के रूप में आज सभी लोगों के द्वारा निर्विरोध चुन लिए गए हैं। उसके लिए मैं अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से और सरकार की ओर से उनको बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ। साथ ही साथ, चूंकि हमारे नेता और हम सबके नेता आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने हरिवंश जी के बारे में, उनके जीवन के बारे में बहुत विस्तृत रूप से चर्चा की है, इसलिए उनको मैं दोहराऊँ, इसकी आवश्यकता नहीं है। हमारे नेता ने सभी की तरफ से उनके योगदान के बारे में चर्चा की है।

महोदय, आज खुशी की बात यह है कि यह चुनाव निर्विरोध हुआ और इसमें सभी लोगों का साथ मिला। अभी जब सारे नेता, सारी पार्टियों के नेता उनके बारे में चर्चा कर रहे थे, तो निश्चित रूप से हरिवंश जी का जो बहुआयामी व्यक्तित्व है, वह निखर करके हम सबके सामने आया है। सब लोगों ने उनके बारे में बहुत सी विशेष बातें हम सबके सामने रखी हैं।

मैं सिर्फ इतना कहना चाहूँगा कि हरिवंश जी ने सार्वजनिक जीवन में integrity, intellect और अपना समर्पण, यानी democratic values के लिए commitment सदा-सदा जीवन में दिया है। वह फिर चाहे जर्नलिस्ट के क्षेत्र में हो या फिर पार्लियामेंटेरियन के रूप में हो। इस यात्रा में उन्होंने हमेशा integrity, intellect और प्रजातांत्रिक वैल्यूज को सर्वोपरि रखा है। वह हम सबके ध्यान में आता है। उन्होंने as a journalist पब्लिक के बीच में जो discourse रखा है, जो narrative जनता के सामने रखा है, उसकी भी अगर हम चर्चा करें, तो हम पाएँगे कि उन्होंने ideology, विचार और विचार के साथ-साथ clarity और clarity के साथ-साथ समन्वय - इन तीनों चीजों का मिश्रण हमको उनके लेखों में भी देखने को मिला और उनकी जर्नलिस्ट से लेकर संसदीय प्रणाली में कार्य करने की जो यात्रा रही है, उसमें भी हम सब लोगों को यह देखने का मौका मिला है। हम लोगों ने उनको डिप्टी चेयरमैन के रूप में काम करते देखा है और सब लोगों ने अपने-अपने वक्तव्य में उसके बारे में भूरि-भूरि प्रशंसा भी की है और सबने बहुत अच्छे शब्दों में उनके बारे में कहा है। उनकी fairness, commitment to democratic values और साथ-ही-साथ सख्ती के साथ लाइन क्रॉस न करने देना - यह हमको देखने को मिला। इसके साथ-साथ उनके उस सख्ती से लाइन क्रॉस न होने देने के बावजूद भी सौम्यता बरकरार रखना - यह विशेष बात मुझे उनके व्यक्तित्व में, डिप्टी चेयरमैन के रूप में, देखने को मिली है। इसी के साथ-साथ हमने यह भी देखा कि उनके चेयर पर रहने से प्रोसिडिंग्स को भी बहुत लाभ मिला है। सभी ने कहा कि उनको एक मिनट ज्यादा मिला, दो मिनट ज्यादा मिला। यह बताता है कि on the whole, किस तरीके से वह democratic procedures और डिबेट को उत्तम कोटि की डिबेट बनने में लाभकारी साबित होता है, यह हम सब ने देखा है।

आप जर्नलिस्ट जरूर रहे, संसद में भी आए, लेकिन आपका जो thought-process है, वह जिस बैकग्राउंड से निकला है, वह बहुत ही rich background है। मैं इसको इसलिए कह सकता हूँ, क्योंकि मैंने इसको महसूस किया है। जब मैं उसके rich background की बात करता

हूँ, तो मैं यह कह सकता हूँ कि आजाद भारत में जिन लोगों को सोशलिस्ट मूवमेंट, कॉम्युनिस्ट मूवमेंट और अन्य मूवमेंट्स को देखने का मौका मिला और उसके बीच में रह कर अपने बैलेंस को बना कर आगे बढ़ने का मौका मिला, वह बहुत ही दुर्लभ चीज है। वह सबको नहीं मिलती है। मैं ऐसा मानता हूँ। मुझे भी उसके कुछ अंश को देखने का मौका मिला। आपका सिर्फ जयप्रकाश नारायण जी के गाँव से ही संबंध नहीं था, बल्कि जयप्रकाश नारायण जी के जीवन से आपका बहुत बड़ा संबंध था। उनके जीवन से आपको जो प्रेरणा मिली, उस प्रेरणा के साथ आप जिन लोगों के साथ पले-बढ़े और आपका जीवन आगे बढ़ा, उसने आपको बहुत मजबूती प्रदान की। आपने बहुत ही, जिसको कहते हैं on strong footing, अपने जीवन को आगे बढ़ाया है। आपने एक अच्छे बैकग्राउंड के साथ बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के प्रोडक्ट के रूप में उस समय के आंदोलन और उस समय की चीजों को देखा है, समझा है और उसको जिया है। उससे आपका जो रिच बैकग्राउंड बना है, उसको आपने अपने जीवन में उतारा है। सच में मैं अपनी बात कुछ भावनाओं में कह रहा हूँ, इसलिए उसको एक्सप्रेस कर पा रहा हूँ या नहीं - यह मुझे मालूम नहीं, लेकिन मैं इतना जरूर कहूँगा कि एक उपसभापति ही नहीं, बल्कि a very experienced personality as Deputy Chairman हमारे यहाँ फिर से आप काम कर रहे हैं। आपको मेरी ओर से, हमारी पार्टी की ओर से, सरकार की ओर से और हाउस के सभी सदस्यों की तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। आप इसी तरीके से आगे बढ़ें, धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, along with you, I extend my heartiest congratulations to *Shriman* Harivansh on his election as the Deputy Chairman of the Rajya Sabha. His unopposed election today is not merely a procedural outcome; it is a resounding affirmation of the deep trust, confidence and respect that he enjoys across party lines and among all sections of this august House.

Harivanshji's re-election to this high constitutional office for the third consecutive time is, in itself, a rare distinction. It reflects not only continuity but also consistency in the discharge of duties marked by fairness, restraint, and an unwavering commitment to the highest traditions of parliamentary democracy. His stewardship of the Chair has, over the years, been characterized by sobriety, balance and a quiet authority that commands respect without ever demanding it.

I would like to place on record my appreciation for the collective wisdom of this House in electing him unopposed. In a vibrant democracy such as ours, contestation is natural and, indeed, essential. Differences of opinion enrich our deliberations. Yet, moments such as these, when the House speaks in one voice, underscore the shared commitment of all Members to uphold the dignity, decorum, and institutional strength of Parliament.

Hon. Members are aware that Shri Harivansh brings to this august House a rich and diverse experience of public life. His ever-courteous demeanour and characteristic smile, even in moments of intense debate and occasional provocation, have lent a reassuring sense of stability to the proceedings of this House. Presiding over a House as dynamic, diverse, and robust as the Rajya Sabha is no easy task; yet, he has discharged this responsibility with remarkable composure, patience, and impartiality.

As we have several newly elected Members in this House, I am confident that they will find in him a guide and a source of inspiration in understanding the nuances, conventions and responsibilities that come with parliamentary functioning. I am certain that he will continue to adorn this high Office with distinction and will discharge his responsibilities with the same zeal, dedication, impartiality and sense of duty that befits the stature and dignity of this august House and we are all sure about that. I wish him every success in his tenure. I now request, on behalf of all of you, that the Deputy Chairman may respond to the sentiments expressed by you, the Members.

श्री उपसभापति (श्री हरिवंश): आदरणीय सभापति जी, आपने मुझे इस अवसर पर कुछ कहने का मौका दिया, धन्यवाद! जीवन में कुछ क्षण ऐसे आते हैं, जब भावना प्रवाह में रहती है। मेरे लिए भी यह वक्त वैसा ही है। फिर भी, आदरणीय वरिष्ठजनों की मेरे बारे में जो राय रही, उस पर मैं कुछ कहूँ, उनका आभार व्यक्त करूँ, उसके पहले मैं महामहिम राष्ट्रपति जी के प्रति सम्मान के साथ आभार व्यक्त करना चाहूँगा, जिन्होंने हमें इस उच्च सदन के लिए केंद्र सरकार की संस्तुति पर नॉमिनेट किया। आदरणीय सभापति जी, आपका आभार! हमने आपके मार्गदर्शन में अब तक इस सदन में शुद्ध अंतःकरण से अपने कर्तव्यों का पालन किया, निर्वहन किया और आगे भी करता रहूँगा। आपकी एवं सदन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारा सतत प्रयास होगा। विनम्र आभार आदरणीय प्रधान मंत्री जी का। आपके प्रति कृतज्ञता, आभार के लिए शब्दहीन हूँ। इतिहास में नई लकीर खींचने वाले आपके नेतृत्व, काम के प्रति आदर व विनीत भाव के साथ पुनः धन्यवाद। आपकी सरकार के द्वारा नाम-निर्देशित सदस्य के रूप में हमारे नाम की अनुशंसा के लिए पुनः धन्यवाद। धन्यवाद माननीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह जी एवं सभी वरिष्ठों का। आभार नेता सदन माननीय जगत प्रकाश नड्डा जी का। उनकी शिष्टता, मर्यादा और अनुशासित आचरण हमेशा हम सब पर छाप छोड़ते हैं। आप सबने यह बड़ा दायित्व हमें दिया। आप सब में से एक-एक सदस्य के सहयोग से ही इसका कुशल निष्पादन संभव है। पुनः नेता एलओपी माननीय श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी का आभार। आदरणीय खरगे जी जैसे वरिष्ठ, अनुभवी व्यक्ति के साथ सीट पर बैठने का मौका मिलेगा, सु-अवसर मिलेगा। विधायी व राजनीतिक जीवन में उनका लंबा अनुभव हमारे लिए ज्ञान का स्रोत है। उनका स्नेह ऊर्जा देता है। विश्वास है कि आगे भी उनके स्नेहपूर्ण अनुग्रह का पात्र बना रहूँगा।

आभार और स्वागत इस सदन में आदरणीय नीतीश कुमार जी का, जिनके सौजन्य से हमारा संसदीय करियर शुरू हुआ। आभार व्यक्त करता हूँ इस सदन के सभी वरिष्ठजनों का। देश के पूर्व प्रधान मंत्री आदरणीय एच. डी. देवेगौड़ा जी का, माननीय शरद पवार जी का, साथ ही सभी दलों के फ्लोर लीडर्स और चीफ व्हिप्स का। सदन के हर एक पक्ष, दल के एक-एक माननीय सदस्य का, चाहे यहाँ हों या अभी यहाँ मौजूद न हों।

सामान्य शिष्टाचार और मानवीय मर्यादा है कि अपने प्रस्तावकों और समर्थकों को भी हृदय से धन्यवाद दूँ — आदरणीय श्री जगत प्रकाश नड्डा जी, युवा माननीय श्री नितिन नवीन जी, आदरणीय श्रीमती निर्मला सीतारमण जी, माननीय श्री संजय कुमार झा जी, माननीय श्री जयन्त चौधरी जी, माननीय श्रीमती एस. फान्गनॉन कोन्याक जी, माननीय श्री बृज लाल जी, माननीय श्री सुरेन्द्र सिंह नागर जी, माननीय श्री उपेन्द्र कुशवाहा जी, माननीय श्री मिलिंद मुरली देवरा जी, आप सभी का सादर आभार और धन्यवाद। हमें पुनः तीसरी बार उपसभापति का दायित्व देने के लिए आप में से एक-एक सदस्य, एक-एक पक्ष, एक-एक दल के लोगों का हृदय से धन्यवाद। गुजरे 12 वर्षों में आपका स्नेह और सहयोग, एक सांसद के रूप में और उपसभापति के रूप में, हमें आपसे हमेशा मिलता रहा। हमारी निरंतर कोशिश होगी कि आगे भी आपके स्नेह और सहयोग का पात्र बना रहूँ। पिछले दोनों कार्यकाल में संसदीय कामकाज में राज्य सभा के रूल्स, प्रोसीजर्स, प्रिसिडेंट्स, पूर्ववर्ती प्रिजाइडिंग ऑफिसर्स की रूलिंग्स और भारतीय संविधान — यही हमारे मार्गदर्शक path और लाइटहाउस रहे हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी सहित संविधान सभा के सभी यशस्वी नेताओं का बताया रास्ता ही मार्गदर्शक रहा है, वही आगे भी प्रेरक रहेगा।

मैं राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल, सभी मार्शल और सेक्रेटेरिएट के सभी स्टाफ को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ। इस सदन में हम सब साथी हैं, सहयोगी हैं। हम प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं। लोकतंत्र में हमें स्वस्थ वैचारिक प्रतिस्पर्धा का अधिकार है, लेकिन लोकतंत्र में कटुता का अधिकार नहीं है, कटुता की कोई जगह नहीं है।

सदन के नियमों में किसी भी विषय को उठाने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। हम सभी उन नियमों से बंधे हैं, बल्कि हमने स्वयं ही खुद को उन नियमों से बांधना चुना है, स्वीकार किया है। मैं सदन को अवश्य assure करना चाहता हूँ कि मैं संविधान, संसदीय नियमों और परंपराओं के दायरे में रहते हुए सदन की गरिमा, सदस्यों के अधिकारों और भागीदारी तथा सदन के समक्ष लाए गए बिजनेस — सरकारी या गैर-सरकारी — को पूरी जिम्मेदारी से सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करूंगा।

मुझे याद आती है तत्कालीन प्रधान मंत्री आदरणीय पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की कही एक बात, जो उन्होंने पहले स्पीकर श्री मावलंकर जी के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर दूसरे सदन में कही थी - कि इस पद का चरित्र ही ऐसा है कि कोई भी इसे दलगत राजनीति में घसीट सकता है।

यह हिंदी पत्रकारिता का 200वाँ साल है। पहला हिंदी अखबार उदंत मार्तंड, पंडित युगल किशोर शुक्ल द्वारा निकालने का प्रयास अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ हुआ था। चार दशकों से हिंदी पत्रकारिता से जुड़े रहने के कारण यह नामांकन अपने पत्रकारिता के पुरखों के यश, त्याग और बलिदान की देन मानता हूँ। मैं उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने देश को सर्वोपरि माना। संयोग से आज 17 अप्रैल है। चंद्रशेखर जी का जन्मदिन है। उनके शताब्दी वर्ष की आज से शुरुआत है। आज वे होते तो 100वें साल में प्रवेश करते। उनकी प्रेरक स्मृति को प्रणाम करता हूँ।

मैं जे.पी. जी और जय प्रकाश जी की पत्नी प्रभावती जी, जिन्हें बचपन से गाँववासी होने कारण देखा और जाना, उनके पुण्य स्मरण को प्रणाम करता हूँ। हमारे साथी मित्रों ने जो बातें हमारे बारे में कहीं, अगर मैं अपनी बात न कहूँ, तो मेरी बात अधूरी रहेगी - जिसे कहते हैं स्पर्श करना, उनकी बातों ने किया है। हमारे आदरणीय वरिष्ठ मित्र तिरुची शिवा जी ने अपनी बात शुरू की। मैं कह सकता हूँ कि उनकी बातें सुनकर मैं खुद को enrich महसूस करता हूँ। मैं अक्सर तिरुवल्लुवर और तिरुकुरल को क्वोट करता रहा हूँ। उन्होंने एक पुस्तक लाकर दी। उनको और उनकी बातों को गौर से सुनकर मैं अपने आपको enrich करता हूँ, उसके लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहिए।

माननीय सुभाष पिल्ली जी का धन्यवाद करना चाहता हूँ। मैं उनमें बहुत सौम्यता देखता हूँ। माननीय मानस मंगराज जी के साथ हमें कमेटी में काम करने का मौका मिला। माननीय तंबी दुरै जी का धन्यवाद करता हूँ, जिनके व्यापक अनुभव से बहुत कुछ जाना और समझा है। उनके kind words of affection हमें हमेशा रास्ता दिखाएंगे। माननीय संजय झा जी, जिनके साथ हमें पार्टी में काम करने का अवसर मिला, जिनसे व्यक्तिगत संबंध हैं और जिन्होंने हर अवसर पर हर कठिन काम को मुमकिन बनाने की कोशिश की। आदरणीय नीतीश जी के नेतृत्व में उनके साथ बहुत बेहतर तरीके से राज्य कैसे आगे जाए, इसमें बहुत काम करने का अवसर मिला, उनको भी व्यक्तिगत धन्यवाद देता हूँ।

माननीय रामदास अठावले जी, जब सदन बहुत गंभीर चीजों पर चर्चा करता है, तो उसमें कुछ आनंद के जो क्षण होते हैं, वे प्रदान करते हैं। इसलिए उनको भी हमें धन्यवाद देना चाहिए। माननीय प्रफुल्ल पटेल जी, हमारे मित्र प्रो. मनोज कुमार झा जी, संदेश भरे जो वाक्य वे बोलते हैं, उससे बहुत कुछ सीखने, जानने को मिलता है। माननीय रविचंद्र वदीराजू जी और डॉ. जॉन ब्रिटान्स जी, मेरे मित्र हैं, उनकी बातों को सुनना एक आनंद है और मैं कह सकता हूँ कि उनकी प्रभावमय भाषा, समृद्ध शब्द संपदा, जब वे बोलते हैं, तो कई बार उनको सुनते हुए शब्द समय की सीमा भूल जाया करते हैं, इसलिए उनको इसके लिए भी धन्यवाद। श्री चौधरी मोहम्मद रमज़ान जी, माननीय डा. सरफराज़ अहमद जी और आदरणीय एच. डी. देवेगौड़ा जी, आपके शब्द हमें हमेशा प्रेरित करेंगे। माननीय संदोष कुमार पी जी, माननीय अब्दुल वहाब जी, माननीय मिलिंद मुरली देवरा जी, माननीय संजय राउत जी, जो बड़े पत्रकार हैं, मैं उनकी बातों को बड़े गौर और ध्यान से सुनता हूँ। माननीय उपेन्द्र कुशवाहा जी, जिन्होंने संदेश भरी चीजें कहीं, उन पर हम जरूर गौर करेंगे। माननीय मस्तान राव बीरा जी और डॉ. संदीप कुमार पाठक जी, आपने सही

कहा। मैं किसी भी सदस्य को जब यह कहता हूँ कि आपने बहुत चीजों पर बहुत अच्छा बोला था, तो मुझे मावलंकर जी याद आते हैं। मावलंकर जी देश के पहले स्पीकर थे, जिन्होंने माननीय सदस्यों से कहा कि अब सत्ता बदल गई है, अंग्रेज चले गए हैं, इसलिए सरकार के पक्ष से कोई भी बात आती है, तो आप उसको पुराने मानस से तुरंत नकारें नहीं, क्योंकि अंग्रेजों को आपने सत्ता में देखा था। आप अगर कोई समस्या बताते हैं, तो उसका समाधान बताना भी आपका ही फर्ज है। जो मित्र बहुत समाधान के साथ समस्याओं की चर्चा करते हैं, मुझे लगता है कि वे इस देश को भी रास्ता दिखा रहे हैं। मैं उन सबका, चाहे इधर से हों, उधर से हों या मध्य से हों, तहेदिल से उनके प्रति अपना आदर व्यक्त करता हूँ। माननीय बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य जी, माननीय राघव चड्ढा जी, माननीय जोस के. मणि जी, सबका दिल से धन्यवाद करता हूँ। श्रीमती सुधा मूर्ती जी को भी बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। जब मैं यहां नहीं था, तब से उनकी पुस्तकों को पढ़ता हूँ, जानता हूँ। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। पर कुछ बहुत सारे ऐसे सदस्य हैं, यदि उनका नाम लूंगा, तो समय ज्यादा लगेगा। जब भी कोई संकट का क्षण हो, तो हमारे बगल में माननीय प्रमोद तिवारी जी बैठते हैं। संकट में भी सौम्यता जाननी हो, तो उनसे बगल में होने का संपर्क मिलता रहता है। आज पीछे से मेरे बड़े प्रखर, विचार संपन्न और हमेशा जिनकी उपस्थिति सदन में रहती है, उनकी आवाज़ एक बार भी नहीं आई। आदरणीय जयराम रमेश जी मेरे मित्र हैं, शायद वे यहां उपस्थित नहीं हैं। उनको भी मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ। आप सभी का आभार व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। कई लोगों ने जो भावना प्रधान चीजें कहीं, उनके प्रति उसी भावना, उसी सम्मान के साथ मैं अपना आदर व्यक्त करता हूँ। आप सभी के समर्थन के लिए एक बार पुनः हृदय से आभार। मैं जीवन में आपके सहयोग का योग्य पात्र सिद्ध हो सकूँ — यही प्रयास रहा है और आगे भी रहेगा। आप सभी में से एक-एक को तहेदिल से धन्यवाद।

1.00 P.M.

OBSERVATIONS BY THE CHAIR

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, some of you, in your speech, has mentioned that, for the first time, a Nominated Member has been elevated as the Deputy Chairman of the House. From all your speeches, I observe that good conventions should be created and I am sure that today we have made a very good new convention by electing the Nominated Member as the Deputy Chairman of the House.

I would like to draw the attention of all the Members, and I would like to refer to the debate dated 23rd of June, 1962, what the then hon. Prime Minister of this country, Shriman Jawaharlal Nehru, suggested, and I am quoting his words, “It was a bad practice, Lok Sabha discussing the Council and the Council discussing the Lok Sabha, leading to trouble between the two Houses.” This we should always keep in mind while we are participating in the debates and when we are speaking in this

House. Hon. Members, I will go through the records and any critical references to the other House by any Member of this House during the speech will not form part of the record. Now, I invite the Deputy Chairman to the Chair on behalf of all of you.

[MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*]

श्री उपसभापति : ऑनरेबल मेम्बर्स, जब मैं पहली बार डिप्टी चेयरमैन बना, मैंने तब भी इसी काम से शुरुआत की थी, जो आज कर रहा हूँ।

The House stands adjourned to meet at 11.00 a.m. on Saturday, the 18th April, 2026.

The House then adjourned at two minutes past one of the clock till eleven of the clock on Saturday, the 18th April, 2026.

PUBLISHED UNDER RULE 260 OF RULES OF PROCEDURE AND CONDUCT OF
BUSINESS IN THE COUNCIL OF STATES (RAJYA SABHA)